Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 178 | मंगलवार, 07 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

भूस्खलन से दबे कई घर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे ठप, अब तक 13 लोगों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को कहा कि पिछले तीन-चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है, क्योंकि मुंबई और आस-पास के ज़िलों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। भारी बारिश की वजह से आम जनजीवन पर असर पड़ने के कारण महाराष्ट्र विधान परिषद की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मुंबई में प्राइवेट ऑफि स को सलाह दी कि वे कर्मचारियों को जहाँ भी संभव हो, घर से काम करने की इजाजत दें। साथ ही, गैर-जरूरी सरकारी और अर्ध-सरकारी ऑफि स के लिए आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा मुंबई के लिए जारी किए गए रेड अलर्ट के बाद दी गई है। IMD ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ में बहुत भारी बारिश और 80-90 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएँ चलने का अनुमान लगाया है।

आईएमडी ने निचले इलाकों में बाढ़, अचानक बाढ़ , जल-जमाव, पेड़ों के उखड़ने, कमजोर ढांचों को नुकसान और भूस्खलन के खतरे की चेतावनी दी है। साथ ही, लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने और आधिकारिक सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। महाराष्ट्र में मॉनसून का कहर और बढ़ गया; पुणे में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया, जबकि लगातार हो रही बारिश ने मुंबई और पुणे के बीच सड़क और रेल संपर्क को ठप कर दिया। और भारी बारिश के अनुमान को देखते हुए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सामान्य जनजीवन में बाधा बनी रह सकती है। भारी बारिश के बीच कम से कम 16 ट्रेनें रद्द कर दी गईं और नौ अन्य का रूट बदल दिया गया; साथ ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट और पुणे के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। सेंट्रल रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, सुबह करीब 3:05 बजे कर्जत-लोनावला भोर घाट सेक्शन में ठाकुरवाड़ी के पास भूस्खलन हुआ और उसके बाद खंडाला और मंकी हिल के बीच भी भूस्खलन हुआ।

सेंट्रल रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर स्वप्निल नीला ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से भोर घाट के मुश्किल रास्ते पर मौजूद तीनों रेलवे ट्रैक–मुंबई की ओर जाने वाली अप लाइन, पुणे की ओर जाने वाली डाउन लाइन और बीच वाली लाइन लैंडस्लाइड से प्रभावित हुए। नीला ने कहा कर्जत और लोनावला के बीच साउथ-ईस्ट घाट सेक्शन में लगातार भारी बारिश के कारण, मुंबई डिवीजन की अप मेन लाइन पर ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल लूप केबिन के बीच लैंडस्लाइड हुई।

बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत

आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को बताया कि पिछले तीन–चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान मुंबई और उसके आस–पास के पालघर और रायगढ़ ज़िलों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। इस घोषणा के बाद, मुंबई और आस–पास के इलाकों में भारी बारिश को देखते हुए महाराष्ट्र विधान परिषद की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

CM फडणवीस ने कहा- सरकार अलर्ट मोड पर है

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन को बताया कि हाल की घटनाएं, जिनमें दीवार गिरने और भूस्खलन जैसी घटनाएं शामिल हैं, खराब मौसम का नतीजा हैं, न कि तैयारी में कमी का।

उन्होंने कहा आपदा प्रबंधन का पूरा तंत्र, नगर निगम और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं। हम अलर्ट मोड पर हैं।

शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील अब कहलाएगी परशुरामपुरी, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में एक और शहर का नाम बदला! लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम बदलने के प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब जलालाबाद तहसील का नया नाम 'भगवान परशुराम पुरी' होगा। सोमवार को हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों डिप्टी सीएम और राज्य के प्रमुख मंत्रियों ने हिस्सा लिया, जहाँ इस फैसले समेत कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रशासन जल्द ही नाम बदलने की आगे की कागजी कार्रवाई शुरू करेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् तथा भारत की एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया। आदित्यनाथ ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश की एकता की रक्षा करने और जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे का विरोध करने में डॉ. मुखर्जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 125वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से अलग होने के बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया और जम्मू-कश्मीर की विशेष दर्जे की व्यवस्था का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरण' की नीति के खिलाफ जो अभियान शुरू किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर साकार किया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान पूरी तरह लागू हुआ।

कोलकाता पुलिस ने ममता बनर्जी को किया 'नजरबंद'? टीएमसी का दावा- घर के बाहर भारी फोर्स तैनात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कहा है कि कोलकाता के पास बारुईपुर में कथित तौर पर रेप और हत्या की शिकार हुई 12 साल की लड़की के परिवार से मिलने से रोकने के लिए, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सांसद अभिषेक बनर्जी के घरों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और बैरिकेड लगाए गए। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके घरों के बाहर भारी पुलिस तैनाती और रूट मार्च संदिग्ध तरीके से किए जा रहे थे। टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के घरों के बाहर की सड़क से चौंकाने वाली तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने सवाल उठाया कि लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने और उन्हें घरों में ही सीमित रखने के लिए केंद्रीय बलों को क्यों तैनात किया जा रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अभी रूट मार्च हो रहा है। जबरदस्ती घर में कैद किया जा रहा है!

पुलिस ने बताया कि कथित रेप और हत्या के मामले में दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है और तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। साथ ही, कोलकाता के बाहरी इलाकों के कुछ हिस्सों में बड़ी भीड़ जमा होने पर रोक लगाने वाले आदेश लागू कर दिए गए हैं। रविवार को एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या (लिंचिंग) कर दी गई; उस पर इस घटना में शामिल होने का शक था, जिससे लोगों में भारी आक्रोश फैल गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। तीन और लोगों से पूछताछ की जा रही है। हम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। छह सदस्यों वाली एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है। चार FIR दर्ज की गई हैं, जिनमें लड़की के कथित रेप और मर्डर तथा एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या (लिंचिंग) से जुड़े मामले शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि बाकी संदिग्धों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है। बारुईपुर और उसके आस-पास के इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई और तनाव के बीच अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। शनिवार को लापता हुई 12 साल की बच्ची का शव एक दिन बाद तालाब से मिला। उसके परिवार ने आरोप लगाया कि उसके साथ बलात्कार और हत्या की गई। रविवार को स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए सड़कें और रेलवे ट्रैक जाम कर दिए।

'जो पाप से जुड़ा है उसे सजा दिलाएंगे', चंपत राय पर फैसले से पहले बोले राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। चंपत राय पर फैसला आने से पहले राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास ने कहा कि जो पाप से जुड़ा है, उसे सजा दिलाएंगे। मैं राम मंदिर में दान चोरी से आहत हूं।

ये करोड़ों हिंदुओं की आस्था का सवाल है। नृत्यगोपाल दास ने अपने पत्र में लिखा, 'श्री रामलला सरकार जी के मंदिर में हुई दान चोरी से मैं काफी आहत हूं, जिसने भी पाप किया है, उसको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मुझे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर पूरी विश्वास है कि वो हर व्यक्ति को, जो भी इस पाप से जुड़ा हुआ है, उसको सजा दिलाएंगे।' अयोध्या में आज श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक में चंदा लेने में कथित गड़बड़ियों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, पूर्व महासचिव चंपत राय और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा के भविष्य पर फैसला होने की उम्मीद है।

सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट इन दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे को औपचारिक रूप से मंजूरी दे सकता है, जिससे संस्था से उनकी विदाई तय हो जाएगी। इन दोनों ने 26 जून को इस्तीफा दिया था और बाद में 27 जून को ट्रस्टी और कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने इस्तीफे की पुष्टि की थी। राम मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे शुरू होने वाली इस बैठक का एजेंडा काफी लंबा है।

अरविंद केजरीवाल ने पूछा कौन हैं नितिन नबीन? परवेश वर्मा का चुटीला जवाब- क्या मैं याद हूँ?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद अब एक राजनीतिक घमासान में बदल गया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर सीएम रेखा गुप्ता ने तीखा हमला किया है, जबकि डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा ने अनोखे अंदाज में पलटवार किया है। अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी के विवाद के बीच, हिंदू देवी-देवताओं के 'अपमान' पर विपक्षी नेताओं के चुप रहने का आरोप लगाने वाले इखढ नेता नितिन नवीन पर केजरीवाल ने रविवार को निशाना साधा। नवीन ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और केजरीवाल का नाम लेते हुए कहा था कि वे 'हिंदू धर्म को इतना कमजोर न समझें कि लोग आपकी बातों में आ जाएंगे। एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए आप प्रमुख ने नितिन नवीन से पूछा, आप कौन हैं? दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केजरीवाल की आलोचना करते हुए उनके बयान को हताशा की निशानी बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने नितिन नवीन की उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए उनके बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद उन्होंने कहा कि केजरीवाल अपने अहंकार में चूर हैं, जबकि हर कोई जानता है कि वह हताश और निराश हैं। बीजेपी नेता और दिल्ली के डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा ने नितिन नबिन के मामले में अरविंद केजरीवाल के आप कौन हैं? वाले सवाल का छोटा लेकिन दिलचस्प जवाब दिया। वर्मा ने कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष होना बहुत बड़ी बात है, लेकिन क्या आपको मैं याद भी हूँ या नहीं? रविवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक कार्यक्रम में बोलते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर से जुड़ी आस्था के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने देगी, भले ही इसके लिए उन्हें अपना खून ही क्यों न बहाना पड़े। उन्होंने कहा भले ही हमें अपना खून बहाना पड़े, हम यह पक्का करेंगे कि भगवान राम के मंदिर से जुड़ी आस्था के साथ कोई खिलवाड़ न करे। हम किसी भी तरह का बलिदान देने के लिए तैयार हैं। विपक्ष का ज़िक्र करते हुए नवीन ने आगे कहा कि राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के विवाद के बीच 'हिंदू-विरोधी ताकतें' राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। नवीन ने आगे कहा मैं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल से साफ तौर पर कहना चाहता हूँः हिंदू धर्म को कमजोर न समझें और यह न सोचें कि हम आपकी चालों में फँस जाएँगे या आपके धोखे में आ जाएँगे।

नितिन नबीन की छोड़ी सीट पर राजद का बड़ा दांव, बीजेपी के किले बांकीपुर में रेखा गुप्ता की एंट्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल ने सोमवार को बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए रेखा कुमारी गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित किया। यह उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने और इस सीट से इस्तीफा देने के बाद जरूरी हो गया था। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्खऊकी बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि गुप्ता बांकीपुर उपचुनाव के लिए महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में भी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मंडल ने कहा रेखा कुमारी उर्फ रेखा गुप्ता ने नवंबर 2025 के चुनावों में इस सीट से चुनाव लड़ा था और उन्हें लगभग 47,000 वोट मिले थे। अब, जब BJP नेता नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई है, तो हमने उन्हें फिर से मैदान में उतारने का फैसला किया है।

भूपेश बघेल की सुलह की कोशिश फेल, पंजाब कांग्रेस में 'फोटो-पॉलिटिक्स', चन्नी-रंधावा की 'एकता' वाली तस्वीर से राजा वारिंग गायब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में हाल ही में हुए संगठनात्मक बदलाव के बाद पार्टी के भीतर मतभेद और बढ़ गए हैं, और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी इस फेरबदल के खिलाफ आवाज उठाने वाले प्रमुख नेताओं में से एक बनकर उभरे हैं। नेतृत्व में बदलाव की अटकलों के बावजूद, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए रखा गया। इस फैसले से राज्य इकाई के भीतर मतभेद और बढ़ गए हैं। नाराजगी जाहिर करते हुए, चन्नी-रंधावा गुट ने पंजाब कांग्रेस के उन सभी कार्यक्रमों से दूर रहने का फैसला किया है जिनमें राजा वडिंग राज्य पार्टी प्रमुख के तौर पर मौजूद होंगे। इस कदम को मौजूदा नेतृत्व को बनाए रखने के पार्टी आलाकमान के फैसले पर खुली नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि चन्नी-रंधावा गुट ने यह मामला कांग्रेस आलाकमान तक भी पहुँचाया है। पंजाब के पूर्व मंत्री और विधायक परगट सिंह, कई अन्य विधायकों के साथ, पार्टी नेतृत्व तक गुट की चिंताएँ सीधे पहुँचाने के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं।

बघेल की सुलह की कोशिश नाकाम

यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कांग्रेस के सीनियर नेता भूपेश बघेल ने हाल ही में चंडीगढ़ का दौरा किया था। वहां उन्होंने पार्टी में हुए बदलावों के बाद तनाव कम करने और आपस में लड़ रहे गुटों को एक साथ लाने के लिए बैठकें की थीं।

हालांकि, चन्नी-रंधावा गुट का राज्य-स्तर पर मध्यस्थता को नजरअंदाज करके सीधे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से संपर्क करने का फैसला, चल रही बगावत को और बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

MLA बैंस ने मतभेद की बात को नकारा

लुधियाना के पूर्व टछअ सिमरनजीत सिंह बैंस ने पंजाब कांग्रेस में फूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी का सीनियर नेतृत्व एकजुट है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और कांग्रेस आलाकमान जल्द ही एक साथ नजर आएंगे, जिससे एकता का साफ संदेश जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए बैंस ने कहा कि मीडिया कांग्रेस को 'फूट के नजरिए' से देख रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी की एकता पर सवाल उठाने की कोई वजह नहीं है और कहा कि हाल की अटकलों के बावजूद इसके नेता मिलकर काम कर रहे हैं।

रंधावा ने नेताओं की ग्रुप फोटो शेयर की, वारिंग नदारद

यह बात तब सामने आई जब गुरदासपुर के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ग्रुप फोटो शेयर की, जिसमें राज्य इकाई के कई नेता शामिल थे। फोटो के साथ रंधावा ने लिखा, एकता में ही शक्ति है। इस फोटो में पंजाब कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल थे, जिनमें घोषणापत्र समिति के सह-अध्यक्ष और विधायक परगट सिंह, चुनाव समिति की सह-अध्यक्ष रज़िया सुल्ताना और भरत भूषण आशु वगैरह शामिल थे। इसके कुछ ही देर बाद, चन्नी ने भी वही फोटो अपने एक्स अकाउंट पर उसी कैप्शन के साथ शेयर

संपादक की कलम से

आश्चर्य और भ्रम: मानव अनुभव के दो पहलू

ललित शर्मा
संपादक

मानव जीवन भावनाओं, अनुभवों और सीखों का एक अनवरत प्रवाह है। इस यात्रा में आश्चर्य और भ्रम दो ऐसे महत्वपूर्ण अनुभव हैं जो व्यक्ति के दृष्टिकोण, सोच और व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करते हैं। जहाँ आश्चर्य मन में जिज्ञासा, उत्साह और नए अवसरों की भावना जगाता है, वहीं भ्रम और उसके टूटने का अनुभव व्यक्ति को वास्तविकता से परिचित कराता है और उसे अधिक परिपक्व बनाता है। दोनों मिलकर मानव अनुभव को समृद्ध और सार्थक बनाते हैं।आश्चर्य मानव स्वभाव की एक स्वाभाविक विशेषता है। बचपन से ही मनुष्य दुनिया को विस्मय और कौतूहल की दृष्टि से देखता है। बच्चे आकाश, तारों, पेड़-पौधों, जानवरों और प्रकृति की अनगिनत घटनाओं के बारे में प्रश्न पूछते हैं। उनकी यह जिज्ञासा ही सीखने और समझने की नींव बनती है। वास्तव में, ज्ञान और विज्ञान का विकास भी इसी आश्चर्य और खोज की भावना से संभव हुआ है। प्रकृति में व्याप्त सौंदर्य आज भी हमें आश्चर्यचकित करता है। सूर्योदय का दृश्य, वर्षा की पहली बूँदें, पर्वतों की भव्यता या समुद्र की अनंत गहराई मनुष्य के भीतर विस्मय और आनंद का संचार करती है। इसी प्रकार, विज्ञान और तकनीक की नई उपलब्धियाँ भी हमें यह महसूस कराती हैं कि मानव क्षमता की कोई सीमा नहीं है। आश्चर्य हमें नए विचारों को अपनाने और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। लेकिन जीवन केवल आश्चर्य और उत्साह का नाम नहीं है। समय के साथ मनुष्य को भ्रम और निराशा के अनुभवों से भी गुजरना पड़ता है। जब हमारी अपेक्षाएँ वास्तविकता से मेल नहीं खातीं, तब भ्रम पैदा होता है। हम लोगों, संस्थाओं, करियर या जीवन के बारे में आदर्शवादी धारणाएँ बना लेते हैं, लेकिन वास्तविक परिस्थितियाँ अक्सर उनसे भिन्न होती हैं। ऐसे अनुभव कभी-कभी दुखद होते हैं, किंतु वे हमें जीवन का वास्तविक स्वरूप समझाने में मदद करते हैं। भ्रम का टूटना हमेशा नकारात्मक नहीं होता। यह व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक विकास की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे मनुष्य सीखता है कि पूर्णता केवल एक आदर्श है और हर व्यक्ति तथा व्यवस्था में कुछ न कुछ सीमाएँ होती हैं। यह समझ उसे अधिक सहनशील, संवेदनशील और यथार्थवादी बनाती है। वह दूसरों की कमियों को स्वीकार करना और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना सीखता है। इतिहास भी आश्चर्य और भ्रम के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करता है। नई खोजों और विचारों ने समाज को उत्साहित किया, लेकिन समय के साथ उनसे जुड़ी चुनौतियाँ भी सामने आईं। औद्योगिक क्रांति ने प्रगति के नए द्वार खोले, किंतु इसके साथ पर्यावरणीय और सामाजिक समस्याएँ भी उत्पन्न हुईं। इसी प्रकार, अनेक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों ने लोगों में आशा जगाई, परंतु बाद में कुछ अपेक्षाएँ पूरी नहीं हो सकीं। फिर भी, इन अनुभवों ने मानवता को नई दिशा और बेहतर समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। वास्तव में, आश्चर्य और भ्रम एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। आश्चर्य हमें सपने देखने और नई संभावनाओं की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है, जबकि भ्रम का अनुभव हमें उन सपनों को यथार्थ के धरातल पर परखने की क्षमता प्रदान करता है। यदि जीवन में केवल आश्चर्य ही हो, तो व्यक्ति अवास्तविक कल्पनाओं में खो सकता है, और यदि केवल भ्रम और निराशा ही हो, तो जीवन नीरस और निष्प्राण बन सकता है।

इतिहास की हत्या या स्मृतियों का पुनर्निर्माण: राष्ट्र अपनी सामूहिक याददाश्त कैसे खोता और गढ़ता है?

एन0के0शर्मा
लेखक

इतिहास केवल बीते हुए समय का क्रमबद्ध विवरण नहीं होता; वह किसी भी सभ्यता की सामूहिक चेतना, सांस्कृतिक स्मृति, नैतिक आत्मा और भविष्य की दिशा का आधार होता है। किसी राष्ट्र के पास यदि अपनी ऐतिहासिक स्मृतियाँ सुरक्षित हैं, तो वह केवल अतीत को नहीं जानता, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य का निर्माण करने की क्षमता भी अर्जित करता है। किंतु जब इतिहास को योजनाबद्ध ढंग से विकृत किया जाता है, उसके तथ्यों को राजनीतिक सुविधा, वैचारिक आग्रह, धार्मिक उन्माद, साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा अथवा आर्थिक हितों के अनुरूप पुनर्लिखा जाता है, तब केवल कुछ घटनाएँ नहीं बदलतीं—पूरे समाज की सामूहिक चेतना का स्वरूप बदलने लगता है। इतिहास की हत्या किसी पुस्तकालय में रखी पुस्तकों को जलाने भर से नहीं होती; उसकी वास्तविक हत्या तब होती है जब पीढ़ियाँ अपने अतीत को पहचानना छोड़ देती हैं, अपने पूर्वजों की उपलब्धियों पर संदेह करने लगती हैं, अपने सांस्कृतिक प्रतीकों से दूरी बना लेती हैं और अपने राष्ट्रीय आत्मविश्वास को उधार की अवधारणाओं में खोजने लगती हैं।

मानव सभ्यता का इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि विजेता केवल भूभाग पर अधिकार नहीं करते, वे स्मृतियों पर भी अधिकार स्थापित करना चाहते हैं। किसी राष्ट्र को स्थायी रूप से पराजित करने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी भाषा, साहित्य, सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक दस्तावेजों, लोककथाओं और सामूहिक स्मृति को नियंत्रित करना रहा है। इसी कारण विश्व के अनेक साम्राज्यों ने युद्ध जीतने के बाद केवल राजधानियाँ नहीं बदलीं, बल्कि इतिहास की पुस्तकों, शिक्षा-व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रतीकों को भी अपने अनुकूल परिवर्तित किया। जब इतिहास सत्ता का उपकरण बन जाता है, तब सत्य धीरे-धीरे स्मृति से बाहर धकेला जाने लगता है और उसकी जगह सुविधाजनक आख्यान स्थापित कर दिए जाते हैं।

इतिहास के साथ सबसे बड़ा अन्याय तब होता है जब उसे या तो देवत्व प्रदान कर दिया जाता है अथवा पूर्णतः अपराध घोषित कर दिया जाता है। किसी भी सभ्यता का अतीत न तो पूर्णतः स्वर्णिम होता है और न ही पूर्णतः अंधकारमय। उसमें उपलब्धियाँ भी होती हैं, संघर्ष भी; महानता भी होती है, त्रुटियाँ भी। किंतु जब राजनीतिक विचारधाराएँ इतिहास को अपने-अपने खाँचों में बाँट देती हैं, तब जटिल यथार्थ सरल नारों में बदल जाता है। इतिहास का उद्देश्य किसी राष्ट्र को अपराधबोध से भर देना या कृत्रिम गौरव से मदमस्त करना नहीं, बल्कि उसे तथ्यपरक आत्मबोध प्रदान करना होना चाहिए। परंतु आधुनिक समय में इतिहास अनेक स्थानों पर वैचारिक युद्धभूमि बन चुका है, जहाँ प्रमाणों से अधिक प्रभावशाली आख्यानों का महत्व बढ़ गया है।

स्मृति और इतिहास के बीच का संबंध अत्यंत सूक्ष्म है। इतिहास दस्तावेजों, पुरातात्त्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, साहित्य और वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित होता है, जबकि सामूहिक स्मृति लोकजीवन, परंपराओं, उत्सवों, गीतों, कथाओं और सांस्कृतिक व्यवहार में जीवित रहती है। जब किसी समाज की स्मृति और उसका लिखित इतिहास एक-दूसरे से अलग होने लगते हैं, तब गहरा सांस्कृतिक संकट जन्म लेता है। लोग पुस्तकों पर विश्वास नहीं करते और परंपराओं को अंधविश्वास मानने लगते हैं; दूसरी ओर मिथक और कल्पना कभी-कभी इतिहास का स्थान लेने लगते हैं। इन दोनों अतियों के बीच संतुलन ही किसी परिपक्व समाज की पहचान है।

डिजिटल युग ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। आज इतिहास केवल विश्वविद्यालयों या अभिलेखागारों में नहीं लिखा जा रहा; वह सोशल मीडिया, वीडियो मंचों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अभियानों और एल्गोरिद्म के माध्यम से प्रतिदिन निर्मित और पुनर्निर्मित हो रहा है। कुछ सेकंड के छोटे वीडियो, आधे-अधूरे उद्धरण, संदर्भविहीन चित्र और भावनात्मक संदेश करोड़ों लोगों की ऐतिहासिक समझ को प्रभावित कर रहे हैं। सूचना की अधिकता ने सत्य को स्वतः सुलभ नहीं बनाया; बल्कि असत्य को भी अभूतपूर्व गति प्रदान कर दी है। अब इतिहास की लड़ाई केवल पुस्तकों में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़ी जा रही है।

राष्ट्र अपनी सामूहिक याददाश्त कई प्रकार से खोता है। पहला, जब शिक्षा तथ्यों की जगह रटंत व्यवस्था का माध्यम बन जाती है। दूसरा, जब इतिहास को प्रश्न पूछने के बजाय केवल स्वीकार करने का विषय बना दिया जाता है। तीसरा, जब अभिलेखागार, संग्रहालय, पांडुलिपियाँ, लोकसाहित्य और सांस्कृतिक धरोहरों की उपेक्षा होने लगती है। चौथा, जब आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में ऐतिहासिक नगरों, स्मारकों, पुरास्थलों और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का विनाश होने लगता है। पाँचवाँ, जब समाज स्वयं अपने अतीत में रुचि खो देता है और विदेशी आख्यानों को बिना आलोचनात्मक दृष्टि के स्वीकार कर लेता है। स्मृति का क्षरण हमेशा अचानक नहीं होता; वह पीढ़ियों तक चलने वाली धीमी प्रक्रिया होती है। इतिहास का पुनर्निर्माण अपने आप में अनुचित नहीं है। प्रत्येक नई खोज, प्रत्येक पुरातात्त्विक उत्खनन, प्रत्येक अभिलेख और प्रत्येक वैज्ञानिक अध्ययन इतिहास की हमारी समझ को समृद्ध कर सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब पुनर्निर्माण का उद्देश्य सत्य की खोज नहीं, बल्कि पूर्वनिर्धारित निष्कर्षों को सिद्ध करना बन जाता है। यदि नए प्रमाण पुराने निष्कर्षों को चुनौती देते हैं, तो उन्हें निष्पक्षता से स्वीकार करना इतिहास की वैज्ञानिक प्रक्रिया का हिस्सा है। किंतु यदि प्रमाणों की उपेक्षा कर केवल वैचारिक आग्रहों के आधार पर इतिहास गढ़ा जाए, तो वह शोध नहीं, प्रचार बन जाता है।

विश्व के अनेक देशों ने यह अनुभव किया है कि राष्ट्रीय मेल-मिलाप का मार्ग इतिहास को छिपाने से नहीं, बल्कि उसका ईमानदारी से सामना करने से निकलता है। युद्ध, उपनिवेशवाद, नस्लीय भेदभाव, दास-व्यापार, नरसंहार और राजनीतिक दमन जैसे अध्याय जितने पीड़ादायक हैं, उतने ही आवश्यक भी हैं, क्योंकि उनसे बचकर कोई समाज स्थायी न्याय की स्थापना नहीं कर सकता। इसी प्रकार किसी भी राष्ट्र की उपलब्धियों—ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, साहित्य, कला, आध्यात्मिक परंपराओं, सामाजिक सुधारों और सांस्कृतिक नवाचारों—को भी समान गंभीरता से स्थान मिलना चाहिए। इतिहास केवल अपराधों की सूची नहीं, बल्कि मानव उपलब्धियों का भी दस्तावेज है। पत्रकारिता की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। एक उत्तरदायी पत्रकार का दायित्व न तो इतिहास का न्यायाधीश बनना है और न ही किसी विचारधारा का प्रचारक। उसका दायित्व तथ्यों की खोज, स्रोतों की जाँच, प्रमाणों की पड़ताल और समाज के समक्ष संतुलित विमर्श प्रस्तुत करना है। यदि पत्रकारिता स्वयं सनसनी, ध्रुवीकरण और भावनात्मक उकसावे का माध्यम बन जाए, तो इतिहास का सार्वजनिक विमर्श और अधिक प्रदूषित हो जाता है।

सत्य की खोज धैर्य, बौद्धिक ईमानदारी और निरंतर अध्ययन की माँग करती है; वह तत्काल लोकप्रियता से नहीं मिलती। आज आवश्यकता इस बात की है कि इतिहास को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हथियार बनाने के बजाय राष्ट्रीय आत्मबोध का आधार बनाया जाए। बच्चों को केवल तिथियाँ और युद्ध याद कराने के बजाय यह सिखाया जाए कि स्रोतों का मूल्यांकन कैसे किया जाता है, प्रमाण क्या होते हैं, मत और तथ्य में क्या अंतर है, और किसी भी ऐतिहासिक दावे की जाँच किन मानकों पर की जानी चाहिए। आलोचनात्मक चिंतन से युक्त नागरिक ही इतिहास की रक्षा कर सकते हैं; अंधस्वीकृति या अंधअस्वीकृति दोनों ही स्मृति के शत्रु हैं।

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रागार, सकल घरेलू उत्पाद या तकनीकी उपलब्धियों में ही नहीं, बल्कि उसकी ऐतिहासिक चेतना में भी निहित होती है। जो समाज अपनी स्मृतियों का सम्मान करता है, अपनी त्रुटियों को स्वीकार करने का साहस रखता है, अपनी उपलब्धियों को तथ्यपरक दृष्टि से पहचानता है और नई पीढ़ियों को सत्य के प्रति उत्तरदायी बनाता है, वही भविष्य में स्थायी नेतृत्व स्थापित कर सकता है। इसके विपरीत जो समाज इतिहास को सुविधानुसार मिटाता, तोड़ता-मरोड़ता या मनचाहे ढंग से गढ़ता है, वह अंततः स्वयं अपनी पहचान से दूर होता चला जाता है।

अंततः प्रश्न केवल यह नहीं है कि इतिहास किसने लिखा, किसने बदला या किसने छिपाया; वास्तविक प्रश्न यह है कि आने वाली पीढ़ियाँ किस प्रकार का सत्य विरासत में प्राप्त करेंगी। यदि उन्हें प्रमाणों पर आधारित, बहुआयामी, निष्पक्ष और आत्मसम्मान से परिपूर्ण इतिहास मिलेगा, तो वे आत्मविश्वासी नागरिक बनेंगी। यदि उन्हें केवल प्रचार, पूर्वाग्रह और वैचारिक संघर्षों से निर्मित स्मृतियाँ मिलेंगी, तो वे अपने अतीत से भी संघर्ष करेंगी और भविष्य से भी। इसलिए इतिहास की रक्षा करना केवल विद्वानों, पुरातत्त्वविदों, अभिलेखपालों या इतिहासकारों का दायित्व नहीं है; यह प्रत्येक सजग नागरिक का नैतिक दायित्व है। क्योंकि जिस दिन कोई राष्ट्र अपनी सामूहिक याददाश्त खो देता है, उसी दिन वह अपने भविष्य का सबसे विश्वसनीय मार्गदर्शक भी खो देता है। और जो राष्ट्र सत्य पर आधारित स्मृतियों का पुनर्निर्माण करने का साहस रखता है, वही समय की सबसे कठोर परीक्षाओं में भी अपनी पहचान, गरिमा और अस्तित्व को सुरक्षित रख पाता है।

सच और झूठ का दौर

किशन भावनानीं

कविता

अब दौर बदल गया,सच अक्सर कटघरे में खड़ा मिलता है
झूठ ऊँची आवाज में बोलकर भी सम्मान बड़ा पाता है।
चेहरों की भीड़ में चरित्र का मूल्य प्रतिदिन घटता जाता है
फिर भी सत्य का सूर्य देर से सही,पर अंधकार हर ले जाता है

गलत लोग गलती करके भी अकड़ की चादर ओढ़ लेते हैं
सही लोग झूठे इल्जामों से भीतर ही भीतर टूट जाते हैं।
समय की अदालत में हर निर्णय तुरंत नहीं लिखा पाता
कर्म का न्याय मौन रहकर भी कभी अधूरा नहीं रह जाता

हर सच हर समय पर कहना बुद्धिमानी नहीं कहलाता
गलत वक्त पर सच बोलना भी अक्सर तूफान बन जाता
विवेक वही है जो समय का उचित क्षण पहचान सके
मौन भी कई बार सत्य का सबसे ऊँचा सम्मान बन सके

मुसीबत आने से पहले तक सुकून का एहसास रहता है
मुस्कान ही हर पीड़ा का सबसे सस्ता उपचार बनता है
दो चम्मच हँसी और चुटकी भर अपनापन रोज बाँटते चलो
यही दौलत अंत तक साथ रहतीहै,बाकी यहीं रह जाता है

अंधेरे में छाया,बुढ़ापे में काया,अंत समय में माया छूट जाती है
साथ केवल कर्मों की सुगंध और आत्मा की सच्चाई जाती है
परिस्थितियों से हारकर स्वयं को कभी मत तोड़ो
समय का धर्म ही परिवर्तन है,हर रात के बाद नई सुबह आती है

सूखती धरती, बढ़ती प्यास : जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए। भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते-घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय-समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है। भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है। जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वतः कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल-आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है। शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर-राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दशार्ता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है। जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग-अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी। इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अतः जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है। इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए। भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए। जहाँ भूजल का स्तर अत्यधिक गिर चुका है वहाँ निकासी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा कृत्रिम पुनर्भरण की योजनाओं को व्यापक रूप से लागू किया जाए।वर्षा जल संचयन को राष्ट्रीय जनांदोलन बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी संस्थान में वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। गाँवों में तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए। स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए ताकि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन सके। कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का विस्तार किया जाए। कम जल वाली फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिले। न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि प्रोत्साहनों को जल संरक्षण के अनुरूप पुनर्संतुलित किया जाए। मृदा स्वास्थ्य सुधार, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर सिंचाई की आवश्यकता कम की जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल का उपचार और पुनर्चक्रण अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, निर्माण कार्यों, उद्यानों तथा अन्य गैर-पेय उपयोगों में किया जाए ताकि स्वच्छ जल पर दबाव कम हो। पाइपलाइन लीकेज को कम करने, स्मार्ट मीटरिंग अपनाने तथा जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण से भी जल बचत संभव है। नदियों के संरक्षण को केवल सफाई अभियान तक सीमित न रखकर संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी के संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। बिना उपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट के प्रवाह पर कठोर नियंत्रण हो। आर्द्रभूमियों, बाढ़ मैदानों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों की रक्षा की जाए, क्योंकि यही जल पुनर्भरण और जैव विविधता के प्रमुख आधार हैं। तकनीकी नवाचारों का भी व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। रिमोट सेंसिंग, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स तथा स्मार्ट सेंसर आधारित जल निगरानी प्रणाली विकसित कर जल उपयोग की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकती है। जल लेखांकन, जल ऑडिट और डेटा आधारित नीति निर्माण से संसाधनों का अधिक वैज्ञानिक उपयोग संभव होगा। साथ ही, जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना अनिवार्य है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। नागरिकों में यह चेतना विकसित करनी होगी कि प्रत्येक बूंद का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। भारत के समक्ष उपस्थित जल संकट वास्तव में विकास मॉडल की परीक्षा है। यदि वर्तमान जल प्रबंधन की कमियों को दूर नहीं किया गया तो जल संकट शीघ्र ही जल दिवालियापन में परिवर्तित हो सकता है, जिसके परिणाम अत्यंत व्यापक और दीर्घकालिक होंगे। किंतु यदि वैज्ञानिक योजना, प्रभावी शासन, तकनीकी नवाचार, पारंपरिक ज्ञान, सामुदायिक भागीदारी तथा जल संरक्षण की संस्कृति को एकीकृत किया जाए तो भारत इस संकट को अवसर में बदल सकता है। जल सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक, किसान, उद्योग, स्थानीय निकाय और नीति निमार्ता की साझा जिम्मेदारी है। सतत विकास का भविष्य उसी समाज का होगा जो जल को केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि साझा प्राकृतिक धरोहर मानकर उसका विवेकपूर्ण संरक्षण करेगा। यही दृष्टिकोण भारत को जल संकट से बाहर निकालकर दीर्घकालिक जल सुरक्षा और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

तहसील दिवस से पूर्व जिलाधिकारी ने गढ़मुक्तेश्वर में की गोद भराई, गर्भवती महिलाओं को बांटे पोषण किट

जिले की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, कुल 82 शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से मौके पर 14 का निस्तारण किया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में तहसील दिवस के आयोजन से पूर्व जिलाधिकारी कविता मीना ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील परिसरमें महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म विधि-विधान से संपन्न कराई। इस दौरान महिलाओं को फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां एवं पोषण किट प्रदान की गई।आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार एवं प्रसव पूर्व देखभाल के बारे में जानकारी दी।

आज गढ़मुक्तेश्वर तहसील में जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस गढ़मुक्तेश्वर में प्राप्त 29 शिकायतों में से संबंधित अधिकारियों के द्वारा 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया है।

तहसील दिवस में जनसामान्य की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के समक्ष खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण एवं दाखिल-खारिज से जुड़ी शिकायतें।

- संपूर्ण समाधान दिवस गढ़मुक्तेश्वर की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर 07 शिकायतों का कराया निस्तारण
- जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील में सुनी जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

भूमि विवाद,मारपीट, शांति भंग एवं साइबर फ्रॉड से संबंधित प्रार्थना पत्र। पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क, विद्युत एवं पेयजल की समस्याएं प्राप्त हुई। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि तहसील दिवस में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन कर समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

भूमि विवादों का निपटारा राजस्व एवं पुलिस विभाग समन्वय कर 15 दिन में करें। शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी फोन पर भी दी जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ितों की सुनवाई थाना स्तर पर ही हो, इसके लिए थानेदारों को निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार, जिला स्तरीय अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तहसील धौलाना की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी के समक्ष 19 शिकायत से प्राप्त हुई जिसमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

तहसील दिवस हापुड़ में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा के समक्ष 34 शिकायते प्राप्त हुई जिसमें से 05 शिकायतों का संबंधित अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है।

सफलता की कहानी किसान की जुबानी, एकीकृत बागवानी विकास मिशन की खेती मिली नई दिशा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद मैं ज्ञानेन्द्र सिहं पुत्र श्री भोपाल सिहं ग्राम-जरौठी, वि०ख०-हापुड़, जनपद हापुड़ का निवासी हूँ। मैं अपनी 2.5.00 है० जमीन पर पहले धान, गन्ना, गेहूँ ज्वार, मक्का, ग्वार, आदि की खेती करता था, जिससे मुझे बहुत कम उत्पादन होता था।

इसी समय मेरे गांव में उद्यान विभाग के कर्मचारियों के द्वारा गाँव में खुली बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में लौकी, करेला, शाकभाजी उत्पादन आदि फसलों की जानकारी दी।

जानकारी के उपरान्त मैनें उद्यान विभाग के कर्मचारियों के मार्गदर्शन के अनुसार प्याज 2.00 है० हेतु बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया, जो मेरे द्वारा खेत में रोपित किया गया।

मुझे गन्ना, धान, गेहूँ, ज्वार की खेती की अपेक्षा प्याज की खेती से लगभग दो गुना अधिक लाभप्राप्त हुआ इसी से मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आया। मैं अपने परिवार का जीवन यापन ठीक से कर पा रहा हूँ।

उद्यान विभाग के कर्मचारियों से मेरा अनुरोध है कि मुझे समय-समय पर एकीकृत बागवानी विकास मिशन की खेती की नवीनतम जानकारी देने का कष्ट करें, जिससे आगामी वर्षों में मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हो तथा गांव के सभी कृषक योजनाओं का लाभ उठा सकें। मैं उद्यान विभाग का आभारी हूँ।

बाबू जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, सामाजिक न्याय के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व उपप्रधानमंत्री, प्रखर समाज सुधारक एवं सामाजिक न्याय के अग्रदूत बाबू जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शहर कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने बाबू जगजीवन राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।शहर कांग्रेस कमेटी हापुड़ के अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने अपना संपूर्ण जीवन देश, संविधान और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया।

+उन्होंने समाज के वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष किया। उनके विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और नई पीढ़ी को समानता एवं भाईचारे के मार्ग पर चलने की सीख देते हैं। पीसीसी सदस्य नरेश कुमार भाटी (जाटव) ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन संघर्ष, सेवा, समर्पण और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस पार्टी उनके बताए सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है। विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह एडवोकेट ने कहा कि बाबू जगजीवन राम आजीवन दलित एवं वंचित समाज के अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने में अमूल्य योगदान दिया। कांग्रेस पार्टी उनके सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने बाबू जगजीवन राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी, वरिष्ठ कांग्रेसी एवं शहर महासचिव धर्मपाल दरोगा, जिला सचिव रामलाल आर्य, जिला महासचिव यशपाल सिंह ढिलोर, जिला महासचिव सुखपाल गौतम, अनुसूचित विभाग के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, शहर महासचिव खुशनूद अली, मुकीम खान, सेवादल के शहर अध्यक्ष संदीप कुमार, ओबीसी के पूर्व अध्यक्ष जलज तेवतिया, शहर महासचिव देवेंद्र जयंत, युवा नेता सचिन गोयल, कार्यालय प्रभारी यूसुफ हवारी, जिला मीडिया प्रभारी एवं जिला महासचिव गौरव गर्ग, मो. जकी तथा डॉ. इरशाद सैफी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू एकता शक्ति ने बिलासपुर में किया संगठन विस्तार, राजुदीन बने नगर अध्यक्ष व साहिल को मिली तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिलासपुर। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) ने नगर पंचायत बिलासपुर में संगठन विस्तार कार्यक्रम आयोजित कर संगठन को मजबूत करने की दिशा में नई नियुक्तियों की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर पुलकित सिंगल ने राजुदीन को नगर अध्यक्ष (बिलासपुर) तथा साहिल को तहसील अध्यक्ष (सदर) नियुक्त किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं एवं पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए किसान हितों के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) की सदस्यता ग्रहण कर संगठन की नीतियों और किसान हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। पदाधिकारियों ने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और किसानों, युवाओं तथा आम जनता की समस्याओं को और प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में संगठन के पदाधिकारियों ने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा किसान हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

ब्लड कैंसर से जूझ रहे सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार शर्मा का निधन

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम सलामी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के ग्राम काकोड़ी निवासी सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार शर्मा का ब्लड कैंसर के उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम काकोड़ी निवासी हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार शर्मा (46 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय सुभाष चंद्र शर्मा, सीआरपीएफ की 187वीं बटालियन, भोपाल (मध्य प्रदेश) में तैनात थे। वह पिछले लगभग एक वर्ष से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे और उपचार के लिए अवकाश पर चल रहे थे। उनका इलाज नोएडा स्थित फोर्टिस अस्पताल में चल रहा था, जहां सोमवार 6 जुलाई 2026 को रात्रि लगभग 8:40 बजे उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। मंगलवार को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ ग्राम काकोड़ी पहुंचे। इस दौरान आरएएफ की 108वीं बटालियन, मेरठ के अधिकारियों के नेतृत्व में डीएसपी अवधेश सिंह एवं सलामी गार्ड ने दिवंगत जवान को पूरे सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी। मौके पर नायब तहसीलदार श्वेता छाबड़िया भी उपस्थित रहीं और श्रद्धांजलि अर्पित की। पारिवारिक जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार शर्मा का विवाह लगभग 20 वर्ष पूर्व बुलंदशहर जनपद के थाना बीबीनगर क्षेत्र के ग्राम तियाना निवासी संगीता से हुआ था। उनके परिवार में पत्नी, 18 वर्षीय पुत्र रिमझिम, 15 वर्षीय पुत्र सुशांत तथा माता मुन्नी देवी हैं।सीआरपीएफ के जांबाज जवान के निधन पर क्षेत्र के लोगों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

धौलाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की दो बाइकों के साथ दो वाहन चोर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के थाना धौलाना पुलिस ने दो वाहन चोरों को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम सोनू पुत्र साबिर निवासी कस्बा थाना दादरी जनपद गौतमबुद्ध नगर और मोंटी सिंह पुत्र रतनलाल मिस्त्री निवासी ग्राम रसूलपुर थाना जार्चा जनपद गौतमबुद्ध नगर है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की है। आपको बता दें कि धौलाना पुलिस क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। तभी उसने सोमवार को गांव हसनपुर में बम्बे वाले रास्ते से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जिनके कब्जे से पुलिस ने दो मोटरसाइकिल बरामद की है।

5वीं अंडर-15 सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के रजत पदक विजेता निशांत का हापुड़ में भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के प्रतिभाशाली मुक्केबाज निशांत ने 23 जून से 29 जून 2026 तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर (पंजाब) में आयोजित 5वीं अंडर-15 सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 70+ किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर जनपद हापुड़ एवं उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया।राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने के उपलक्ष्य में दिनांक 06 जुलाई 2026 को जिला खेल कार्यालय, हापुड़ एवं जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में मूलचंद त्यागी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, हापुड़ में निशांत का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उप क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती अरुणा, जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक त्यागी, महासचिव रोबिन सिंह तथा मूलचंद त्यागी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बॉक्सिंग कोच शाहरुख खान ने पुष्पमालाएं पहनाकर निशांत का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों ने भी उनका गर्मजोशी से अभिनंदन करते हुए उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।निशांत वर्तमान में स्पोर्ट्स हॉस्टल, झांसी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।उनकी इस उपलब्धि पर उनके कोच सुनील कुमार ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी निशांत को रजत पदक जीतने पर हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हापुड़ और उत्तर प्रदेश का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे।

जिलाधिकारी ने गढ़मुक्तेश्वर के प्राथमिक विद्यालयों में औचक निरीक्षण के दौरान, बच्चों से किए सवाल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना ने बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता परखने हेतु जनपद के कई प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति पंजिका चेक की।

कक्षा में अध्यापन कार्य, बच्चों की कॉपी-किताब एवं बेसिक साक्षरता का स्तर देखने हेतु जिलाधिकारी ने बच्चों से सवाल किये। जिलाधिकारी ने रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता, मेन्यू के अनुसार भोजन एवं बच्चों को परोसे जाने की व्यवस्था का जायजा लिया।

बच्चों से भोजन के स्वाद के बारे में भी पूछा। पेयजल, शौचालय, कक्षा-कक्ष, फर्नीचर की उपलब्धता जांची। निपुण भारत मिशन, स्कूल चलो अभियान, यूनिफॉर्म-जूता वितरण एवं कायाकल्प योजना के अंतर्गत हुए कार्यों की प्रगति देखी।

छपकौली और बछलौता में समाजवादी पार्टी का वृक्षारोपण अभियान, महादेव मंदिर में की अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने की प्रार्थना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के छठवें दिन छपकौली एवं बछलौता गांव में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तेजपाल प्रमुख के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगाए। वृक्षारोपण के उपरांत तेजपाल प्रमुख एवं कार्यकताओं ने छपकौली स्थित महादेव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने की प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य राजेश यादव, यशी यादव, आदेश गोस्वामी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। तेजपाल प्रमुख ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी प्रतीक है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जयकारों के बीच सरदार सतवंत सिंह सलूजा का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नूरपुर। उत्तर प्रदेश गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष, गुरु घर के समर्पित सेवक एवं पंजाबी समाज के जिला अध्यक्ष सरदार सतवंत सिंह सलूजा का गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, नूरपुर में भव्य सम्मान किया गया। दीवान हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा साहिब के सेवादारों ने संगत की उपस्थिति में सरदार सतवंत सिंह सलूजा को सरोपा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर 'बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' तथा 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के गगनभेदी जयकारों से पूरा दीवान हॉल गूंज उठा। गुरु घर के मुख्य सेवादार ज्ञानी राजवीर सिंह ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में अरदास कर सरदार सतवंत सिंह सलूजा के उज्ज्वल भविष्य, समाज सेवा एवं पंथ की निरंतर सेवा के लिए अरदास की। दीवान की समाप्ति के बाद भी संगत एवं गणमान्य लोगों द्वारा उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर सतवंत सिंह सलूजा ने संगत एवं सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे बिजनौर जिले के सिख समाज व गुरु घर की सेवा से जुड़े प्रत्येक सेवादार का सम्मान है। मैं गुरु साहिब की कृपा से समाज, पंथ व गुरुद्वारों के विकास एवं संगत की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करता रहूंगा। वहीं संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन कर रहे सरदार हरभजन सिंह अमन एवं रविन्द्र सिंह मिक्की ने कहा कि सरदार सतवंत सिंह सलूजा का प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन जनपद बिजनौर के सिख समाज के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सलूजा अपने नए दायित्व का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

इस दौरान सरदार परवेन्दर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सतवेन्दर सिंह गुजराल, बलविंदर सिंह विशाल, अमन सिंह टांक, गुरनाम सिंह, वरिष्ठ पत्रकार गुणवंत सिंह, गुरदर्शन सिंह, अमरीक सिंह, गुरदीप सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

डा दिनेश बंसल के भाई महेश कुमार बंसल को श्रद्धांललि देने उमड़ा जनसैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागपत। सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय महेश कुमार बंसल की तेरहवीं एवं रस्म पगड़ी का आयोजन बड़ौत नगर स्थित विहर्ष सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक एवं व्यापारिक जगत से जुड़े हजारों लोगों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। ज्ञात है कि गत 23 जून को अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण महेश कुमार बंसल का आकस्मिक निधन हो गया था।

उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। तेरहवीं के अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने उनके ज्येष्ठ पुत्र वरुण बंसल को पगड़ी बांधकर परिवार की परंपराओं एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर दिवंगत महेश कुमार बंसल के भाई डॉ दिनेश बंसल भावुक हो उठे। उन्होंने अपने भाई के साथ बिताए गए अविस्मरणीय पलों को याद करते हुए कहा कि महेश कुमार बंसल केवल उनके बड़े भाई ही नहीं, बल्कि उनके जीवन के सबसे अच्छे मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत भी थे। उन्होंने कहा कि उनके स्नेह, सहयोग और आत्मीयता की कमी जीवनभर महसूस होती रहेगी।

शोकसभा को संबोधित करते हुए भाजपा विधि प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार जैन ने स्वर्गीय महेश कुमार बंसल के सरल, मधुर एवं मिलनसार व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने व्यवहार, सेवा भावना और मानवीय मूल्यों से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा और उनकी स्मृतियां सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर स्वर्गीय महेश कुमार बंसल के भाई सुभाष चंद बंसल एवं डॉ दिनेश बंसल, पुत्र वरुण बंसल व अक्षित बंसल, पुत्रियां नेहा व निधि, दामाद सौरभ व जसमेन्द्र, भतीजे राजन, आशुतोष बंसल, डॉ उत्कर्ष बंसल, परम बंसल, नगर पालिका बड़ौत के चेयरमैन पति अश्विनी तोमर, महामहिम राष्ट्रपति एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, पूर्व चेयरमैन अमित राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, मुदित जैन, संदीप गर्ग उर्फ टीटू प्रधान, आकाश बंसल, आकाश कंसल सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हजारों लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा 2026 : 25 जुलाई तक सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। आगामी 30 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुविधा से समझौता नहीं किया जाएगा और सभी मूलभूत व्यवस्थाएं हर हाल में 25 जुलाई 2026 तक पूर्ण कर ली जाएं। जिसके अनुपालन में सभी विभागों द्वारा धरातल पर सभी व्यवस्थाओं को तय समय तक सुदृढ़ करने के लिए किए जाने वाले कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत महेश विशनोई अवगत कराया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में श्रद्धालुओं के पैदल मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए जिला पंचायत द्वारा कांवड़ पटरी मार्ग (लिवरहेडी से मोहम्मदपुर झाल एवं

उत्तरा टेक कॉलेज से कलियर की ओर) पर झाड़ी कटान का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है तथा कांवड़ पटरी मार्ग पर जिला पंचायत क्षेत्रांतर्गत आने वाले सभी शौचालयों और स्नानघरों की मरम्मत व स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि कांवड़ियों को कोई असुविधा न हो। सिंचाई विभाग रुड़की द्वारा कांवड़ पटरी पर नालियों की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़कों की मरम्मत और डामरीकरण (सड़क सुदृढ़ीकरण) का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, महेश बिश्नोई ने बताया कि सभी टीमें ग्राउंड पर सक्रिय हैं और जिलाधिकारी के निर्देशों के तहत तय समय-सीमा से पहले ही कांवड़ पटरी मार्ग को पूरी तरह सुगम और साफ-सुथरा बना दिया जाएगा।

सहकारिता- किसानों की खुशहाली

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सहकारिता सप्ताह (29 जून-6 जुलाई) समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए डॉ. रावत ने सहकारिता के माध्यम से किसानों की आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता तथा ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए। साथ ही सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों की खुशहाली, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सभी निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी समितियों को सम्मानित किया गया तथा विभिन्न सहकारी समितियों को ऋण वितरण कर उन्हें और अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

हरेला पर हरिद्वार 16 जुलाई को वृहद पौधारोपण अभियान, 30 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर 16 जुलाई को हरिद्वार जनपद में 30 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक कर सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने निर्देश दिए कि 10 जुलाई तक गड्ढों की खुदाई, पौधों की उपलब्धता, जैविक खाद, सिंचाई, ट्री-गार्ड तथा परिवहन की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। 11 से

15 जुलाई के बीच सभी स्थलों का निरीक्षण और सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के लिए शासकीय कार्यालय, विद्यालय, अस्पताल, पार्क, सड़क किनारे, नदी-नालों के तट, सामुदायिक एवं सरकारी खाली भूमि को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रत्येक स्थल की जियो-टैगिंग कर पौधों की संख्या और जिम्मेदार अधिकारियों का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने 'एक परिवार-दो पौधे' अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण से जोड़ने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 'हरित हरिद्वार' अभियान के तहत स्थानीय एवं फलदार प्रजातियों के पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा पौधारोपण के बाद उनकी सुरक्षा, सिंचाई और जीवितता की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) जितेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वैभव गुप्ता, परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, अधिशासी अभियंता (विद्युत) दीपक सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी अमित चंद, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी (पीआरडी) प्रमोद चंद पांडे, स्वजल के चंद्रकांत मणि त्रिपाठी सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसएसपी ने सुनीं फरियादें, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान राजस्व, पुलिस समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील दिवस में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ ने फरियादियों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मानसी गंगा पर चार दिन से जारी धरने का बढ़ा विरोध, साध्वी मधुगिरी ने लगाए आरोप, प्रशासन बोला–जल्द होगा समाधान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मानसी गंगा पर पिछले चार दिनों से जारी धरना-प्रदर्शन को लेकर अब स्थानीय लोगों का विरोध भी सामने आने लगा है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से चल रहे धरने के कारण श्रद्धालुओं, स्थानीय व्यापारियों और आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, प्रशासन लगातार धरना दे रहे पक्ष से वार्ता कर समाधान निकालने में जुटा हुआ है। धरना स्थल पर पहुंचीं साध्वी मधुगिरी ने समाजसेविका विनोदी चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए धरना समाप्त कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मानसी गंगा जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल को धरना स्थल बनाकर उसकी गरिमा को प्रभावित किया जा रहा है। इससे न केवल प्रशासन और स्थानीय लोग परेशान हैं, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

साध्वी मधुगिरी ने कहा, 'यह धरना राजनीति चमकाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मानसी गंगा को बंधक बनाकर रखा गया है। यदि यही स्थिति बनी रही तो श्रद्धालु मानसी गंगा में आचमन तक नहीं कर पाएंगे। प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप कर धरना समाप्त कराना चाहिए, ताकि धार्मिक स्थल पर सामान्य व्यवस्था बहाल हो सके।' वहीं, तहसीलदार बृजेश कुमार ने बताया कि प्रशासन लगातार धरनारत पक्ष के संपर्क में है और उनकी मांगों के समाधान के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की ओर से धरने का विरोध भी सामने आ रहा है, जिसे प्रशासन संज्ञान में लेकर सभी पक्षों से बातचीत कर रहा है।

तहसीलदार बृजेश कुमार ने कहा, 'धरनारत लोगों की कुछ मांगों को पूरा कर दिया गया है, जबकि शेष मांगों पर भी कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान हो और जल्द ही धरना-प्रदर्शन का शांतिपूर्ण तरीके से समापन हो जाए।'

प्रशासन को उम्मीद है कि आपसी सहमति से जल्द समाधान निकल जाएगा, जिससे मानसी गंगा पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियां पहले की तरह सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगी।

जनाजे में जा रहे 2 युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिड़ई/सिद्धार्थनगर। सोमवार को सुबह डिड़ई थाना क्षेत्र के शिवनगर के सामने हुए सड़क हादसे में 2 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के अनुसार, मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के जिगिना गांव निवासी मोहम्मद आरिफ (30) पुत्र अतिकुर रहमान और मोहम्मद जीशान (16) पुत्र अब्दुल करीम बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र स्थित धोबहा गांव में एक जनाजे में शामिल होने जा रहे थे।

इसी दौरान शिवनगर डिडई थाने के सामने उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार अनुराग (27) पुत्र रामविलास, बस्ती जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव से शिवनगर थाना क्षेत्र के तुरकौलिया गांव की ओर जा रहा था।

टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और दोनों मोटरसाइकिलों के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने मोहम्मद आरिफ और मोहम्मद जीशान को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अनुराग का इलाज जारी है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

श्रीलंका के 40 सदस्यीय सिविल सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने यूएसडीएमए का भ्रमण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन विषय पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीलंका के 40 सदस्यीय सिविल सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने आज उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखण्ड में विकसित आपदा प्रबंधन प्रणाली, आधुनिक तकनीकों, पूर्व चेतावनी तंत्र, भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण, मौसम पूवानुमान प्रणाली तथा सामुदायिक सहभागिता आधारित पहलों का विस्तृत अध्ययन किया।

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन) श्री प्रकाश चंद्र ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड जैसे संवेदनशील राज्य में आपदा प्रबंधन केवल आपदा के समय राहत एवं बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, संस्थागत समन्वय, क्षमता निर्माण तथा आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर आधारित एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न विभागों, वैज्ञानिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के सहयोग से आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी श्री राजकुमार नेगी ने प्रतिभागियों को बताया कि उत्तराखण्ड में आपदाओं के दौरान त्वरित एवं समन्वित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एक सुदृढ़ संस्थागत तंत्र विकसित किया गया है। उन्होंने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों (डीईओसी) की कार्यप्रणाली, घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस), बहु-स्रोत पूर्व चेतावनी प्रणाली, आपदा अलर्ट जारी करने की प्रक्रिया तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित निर्णय सहायता प्रणालियों की विस्तार से जानकारी दी।

अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया मुफ्ती कुदरतुल्लाह रिजवी का 14वां उर्स

उलेमा, मशाईख और अवाम-ए-अहले सुन्नत की भारी भीड़ रही मौजूद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बांसी/सिद्धार्थनगर। हर साल की तरह इस साल भी परसिया की सरजमीन पर 'हुज्जतुल इल्म मुमताजुल फुकहा सुल्तानुल असातिजा हजरत अल्लामा अलहाज शाह मुफ्ती मोहम्मद कुदरतुल्लाह रिजवी (कुद्दिस सिर्रहु)' का 14वां उर्स हुजूर हुज्जतुल इल्म के जानशीन हजरत अल्लामा मुफ्ती मोहम्मद फज्लुल हक नूरी (सज्जादा नशीन आस्ताना कादरिया बरकातिया रिजविया, परसिया) बेहद अकीदत व मोहब्बत और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए अहले सुन्नत के उलेमा, मशाईख और हुजूर हुज्जतुल इल्म के चाहने वालों ने बड़ी संख्या में शिरकत कर अपनी अटूट मोहब्बत का सबूत पेश किया।

उर्स के कार्यक्रमों की शुरूआत फज्र की नमाज के बाद कुरान ख्वानी, ज़िक्र व अजकार और दुरूद व सलाम की नूरानी महफिल से हुई। असर की नमाज के बाद मजार-ए-मुबारक पर चादरपोशी और गुलपोशी (फूल पेश करने) का बेहतरीन इंतजाम किया गया, जहां नात व मनकबत पढ़ी गई और विशेष दुआ हुई। मगरिब की नमाज के बाद जायरीन और अकीदतमंदों के बीच 'लंगर-ए-हुज्जतुल इल्म' तकसीम किया गया।

इशा की नमाज के बाद विधिवत रूप से महफिल का आगाज उस्ताजुल कुर्रा हजरत कारी गुलाम मुहीउद्दीन

(शेखुत तजवीद, दारुल उलूम तनवीरुल इस्लाम, अमरडोभा) ने कुरान-ए-पाक की पुरअसर तिलाकत से किया। इसके बाद शायरों ने बारगाह-ए-रिसालत और बारगाह-ए-हुज्जतुल इल्म में नात व मनकबत के नजराने पेश किए।

मौलाना नईम अहमद फैजी ने अपने उद्घाटन भाषण में माता-पिता से अपील की कि वे बच्चों को दीनी और रूहानी महफिलों में लाएं, ताकि आज के इस दौर में वे इस्लामी शिक्षाओं से जुड़कर बुरी सोहबत (संगति) से महफूज रह सकें।

अल्लामा बदरुद्दीन निजामी फैजी ने अपने विशिष्ट और दिलकश अंदाज में इल्म (ज्ञान) के महत्व और हुजूर हुज्जतुल इल्म की पाकीजा ज़िंदगी के शैक्षणिक पहलुओं पर विस्तार से रोशनी डाली। मुफ्ती अहमद रजा निजामी (उस्ताज दारुल उलूम अलीमिया जमदा शाही) ने अहले सुन्नत के अकायदे की दलीलों के साथ व्याख्या की और हुजूर हुज्जतुल इल्म के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को नए अंदाज में बयान किया। महफिल के दौरान अकमल रिजवी, उस्मान निजामी, कारी रियाजुद्दीन, कारी मेहताब निजामी, रईस फैजी समेत अन्य शायरों ने नातिया कलाम पेश किए, जिससे पूरा मजमा इश्क-ए-रसूल से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में पीर-ए-तरीकत हजरत बाबू तफ़्सीर अहमद महबूबी (सज्जादा नशीन खानकाह महबूबिया, ढलमऊ शरीफ), मौलाना मुईनुद्दीन रिजवी (उस्ताज अनवार-ए-मिल्लत, छत्तरपारा), कायदे-मिल्त अल्लामा रेहान रजा निजामी (सरेबराह-ए-आला दारुल उलूम गौसिय्या निजामिया, बलुहां), मौलाना मोहम्मद जमील मिस्बाही (जामिया अशरफिया, मुबारकपुर), मौलाना रहीमउद्दीन यार अलवी, मौलाना बदरुद्दीन मिस्बाही, मौलाना मोहम्मद शरीफ निजामी, मौलाना सिराज निजामी, ताहिर हुसैन खान, हाफिज अकमल रिजवी, मौलाना अब्दुल हक रिजवी, मौलाना मोहम्मद अबूबक्र निजामी और कमर निजामी समेत हुजूर हुज्जतुल इल्म के पोते और नवासे विशेष रूप से शामिल हुए। कुल शरीफ की रस्म रात ठीक 1:45 बजे शुरू हुई, जिसमें बरकत हासिल करने के लिए हजारों की तादाद में जायरीन ने हिस्सा लिया। अंत में हुजूर हुज्जतुल इल्म के जानशीन हजरत अल्लामा कारी मोहम्मद फज्लुल हक नूरी (सज्जादा नशीन आस्ताना कादरिया बरकातिया रिजविया, परसिया) और हजरत अल्लामा मुफ्ती ज़ियाउल मुस्तफा निजामी की भावुक और पुरअसर दुआओं के साथ इस महान रूहानी उर्स का समापन हुआ। अंत में हुजूर हुज्जतुल इल्म के साहबजादों–मास्टर फज्ल-ए-रसूल, हाजी अख्तर रजा खान रिजवी, हजरत मौलाना हबीबुर्रहमान नूरी, हजरत मौलाना मसूदुर्रहमान नूरी और हजरत हाफिज व कारी अजीजुर्रहमान रिजवी ने कार्यक्रम में आए सभी मेहमानों और जायरीन का शुक्रिया अदा किया।

संपूर्ण समाधान दिवसः खलीलाबाद तहसील में 108 शिकायतों की सुनवाई, 10 मामलों का मौके पर निस्तारण

एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ समाधान दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को उपजिलाधिकारी सदर हृदय राम तिवारी की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उ जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण संबंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के प्रति अधिकारी व कर्मचारीगण संवेदनशील रहें , इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न किया जाय।

उप जिलाधिकारी ने शिकायत से सम्बंधित विभागीय अधिकारी को मौके पर बुलाकर तत्काल निस्तारित करने अथवा भूमि विवाद/अन्य किसी विवाद की स्थिति में शिकायतकर्ता सहित सभी पक्षों की उपस्थिति में मौके का स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य लक्ष्य है, इसमें किसी भी प्रकार लापरवाही पाये जाने पर जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। तहसील समाधान दिवस में कुल 108 मामले प्रस्तुत हुए जिसमें दस मामलों का त्वरित निस्तारण किया गया। नौ मामलों में टीम रवाना की गई। इस अवसर पर तहसीलदार आनन्द ओझा, नायब तहसीलदार हरेराम यादव सहित तहसील से सम्बंधित अधिकारी, राजस्व कर्मचारी, लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

पड़ोसी महिलाओं पर मारपीट का आरोप, महिला घायल, जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव आल्दी निवासी एक महिला ने पड़ोस की महिलाओं पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पड़ोस की कई महिलाओं पर लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के गांव आल्दी निवासी सुखबीरी पत्नी अशोक ने बताया कि उसके बच्चे गली के बाहर खेल रहे थे।

आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस की एक महिला ने बच्चों के साथ मारपीट कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी महिला ने अपने साथ अन्य महिलाओं को बुला लिया और सभी ने मिलकर लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई।

शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़िता ने घटना के संबंध में थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

महिलाओं को साइबर अपराध और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

जोगिया/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के तहत थाना जोगिया उदयपुर पुलिस ने ग्राम जोगिया में बहू-बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य अपराध की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी लगाए गए तथा महिलाओं को थानों पर संचालित मिशन शक्ति केंद्र और साइबर सेल की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। चौपाल में उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली गई, हालांकि किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। कार्यक्रम में महिला अपराधों की रोकथाम, नए कानूनों तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1098, 108, 101, 14567 और 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपनिरीक्षक आनंद कुमार शाही एवं महिला आरक्षी शिपाली मौर्य सहित मिशन शक्ति टीम के सदस्य मौजूद रहे।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले में सपा का हमला, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने और जिम्मेदारों की गिरफ्तारी की मांग

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सपा का ऐलान, 'दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो होगा चरणबद्ध आंदोलन'

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। मैदागिन स्थित पराड़कर भवन में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं शहर दक्षिणी विधान सभा के बूथ सेक्टर प्रभारी लालू यादव के द्वारा पत्रकार वार्ता का किया गया आयोजन जिसमें लालू यादव ने कहा की अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर में हुई चढ़ाना की लूट से विश्व में सभी सनातनियों के आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है और उत्तर प्रदेश सरकार आज भी मुख्य आरोपियों के बचाने के प्रयास में लगी है और जांच के नाम पर जनता को भ्रमित कर रही है। पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए लालू यादव ने कहा कि जो एसआईटी का गठन हुआ है वो पूर्णतः असंवैधानिक है क्योंकि बिना एफआईआर के कोई जांच नहीं हो सकती अगर मुख्यमंत्री ने एसआईटी गठन किया है तो एसआईटी की जांच रिपोर्ट में क्या खुलासा हुआ यह भी सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि जो

चढ़ावा का लूट (चोरी) हुआ है जो पूरी दुनिया के सनातनी जनमानस का है और जनमानस जानना चाहती है की एसआईटी की जांच में क्या आया।

एसआईटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक ना करना स्पष्ट कर रहा है कि कई हजार करोड़ के चढ़ावा लूट के लिए जो प्रथम दृष्टया लोग सामने आये है जैसे चंपत राय,गोपाल राव,अनिल मिश्रा इनको पूर्ण रूप से बचाने के लिए एसआईटी की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है जिन आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर हुआ है वो बहुत छोटे प्यादे है यह एफआईआर मात्र जनता का दान दिया हुआ चढ़ावा के हुए लूट के आक्रोश को दबाने के लिए साजिश के तहत एफआईआर की गई है जिसमें की श्री राम राम मंदिर के चढ़ावे के मुख्य लुटेरों को बचाया जा सके,समाजवादी पार्टी जनमानस के चढ़ाये हुए चढ़ावे के लूट के आक्रोश को देखते हुए इस पत्रकार वार्ता के माध्यम से जनता के ओर से मांग कर रही है की पूरे दान के चढ़ावे की लूट की जिम्मेदारी चंपत राय,गोपाल राव,अनिल मिश्रा सहित सभी जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो समाजवादी पार्टी प्रदेश स्तर पर जिम्मेदार तीनो लोंगों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करेगी।

पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इस्तकबाल कुरैशी ने कहा कि एक ओर भाजपा सरकार भगवान राम के नाम पर राजनीति करती है वही दूसरी ओर भगवान राम के चढ़ावे की चोरी करने वालों को बचाती है। सपा नेता हरीश मिश्रा ने भी कहा कि प्रभु श्री राम के मंदिर में देशभर से आस्थावान भाईयों ने सोने चांदी के तमाम तरह के सामान मंदिर में दान दिया था जो कि अब वो भी दिखाई नहीं दे रहा है सम्पर्क करने पर कोई संयुक्त जवाब नहीं दे रहा है मंदिर प्रशासन यह प्रभु श्रीराम के मंदिर में चोरी नहीं यह बहुत बड़ा डाका पड़ा है और बहुत जल्द हम सभी इन चोरों लूटेरों के खिलाफ सड़क पर संवैधानिक तरह से आंदोलन करेंगे। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से लालू यादव प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी,इस्तकबाल कुरैशी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य,समन यादव उपस्थित रहे।

रोवर तकनीक से सीमांकन कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

शोहरतगढ़ /सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को तहसील शोहरतगढ़ के ग्राम परसिया में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 24 के अंतर्गत रोवर तकनीक से किए जा रहे सीमांकन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धारा 24 के अधिकाधिक मामलों का निस्तारण इसी तकनीक के माध्यम से कराया जाए, ताकि सीमांकन पूरी तरह सटीक और विवाद रहित हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों और काश्तकारों की भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान के लिए रोवर तकनीक उपलब्ध कराई है। इस तकनीक से किसी भी गाटा संख्या की वास्तविक स्थिति का सटीक निर्धारण किया जा सकता है, जिससे सीमांकन में त्रुटि की संभावना बेहद कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ और कब्जे को लेकर उत्पन्न होने वाले विवादों के निस्तारण में यह तकनीक अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस दौरान उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ करमेन्द्र, तहसीलदार प्रकाश सिंह, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, राजस्व निरीक्षक बृजेश त्रिपाठी तथा क्षेत्र के लेखपाल मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान, पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। उत्तर प्रदेश सरकार के महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण अभियान मिशन शक्ति के तहत सोमवार को थाने की मिशन शक्ति टीम ने नगर में जनजागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित कर उन्हें हर परिस्थिति में सतर्क रहने का संदेश दिया गया।अभियान के दौरान हेड कांस्टेबल मिथिलेश एवं श्वेता ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में प्रदेशभर में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति टीम का गठन किया गया है, जो समय-समय पर जनजागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करती है।टीम ने महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य आपात स्थिति में इन नंबरों पर तत्काल संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।इसके अलावा महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया गया।

बोधिग्राम से संवरेंगी 200 महिलाओं की सेहत और आजीविका

वेलकम इंडिया संवाददाता

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खंड बर्डपुर की पांच ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'बोधिग्राम परियोजना' का शुभारंभ किया गया है। शोहरतगढ़ एनवायरमेंटल सोसाइटी की ओर से संचालित इस पहल के तहत 200 महिलाओं को सीधे परियोजना से जोड़ा गया है।इसका उद्देश्य कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करते हुए कृषि आधारित आजीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

परियोजना के प्रथम चरण में 100 महिलाओं को आयरन एवं जिंक से भरपूर प्रसिद्ध कालानमक धान की वैज्ञानिक और टिकाऊ खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक उत्पादन तकनीक, फसल प्रबंधन तथा कटाई के बाद गुणवत्ता संरक्षण की जानकारी दी जाएगी। साथ ही कालानमक चावल की बेहतर मार्केटिंग और मजबूत सप्लाई चेन विकसित कर महिलाओं को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे उनकी आय में स्थायी बढ़ोतरी हो सके। परियोजना के तहत सभी 200 महिलाओं को सहजन (मोरिंगा) के पौधे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इन पौधों का रोपण घरों और खेतों में कराया जाएगा तथा महिलाओं और बच्चों को सहजन की पत्तियों एवं फलियों को नियमित भोजन में शामिल करने के लिए जागरूक किया जाएगा। आयरन, कैल्शियम और विटामिन से भरपूर सहजन के नियमित सेवन से एनीमिया और कुपोषण की समस्या में कमी लाने के साथ संतुलित आहार के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

शोहरतगढ़ एनवायरमेंटल सोसाइटी के सचिव संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि बोधिग्राम परियोजना ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, उन्नत कृषि और आर्थिक सशक्तिकरण का एक समग्र मॉडल स्थापित करेगी।

इफको एमसी की दवा की खरीद पर मिलेगा किसानों को मुफ्त बीमा : योगेन्द्र कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। सोमवार को ग्राम सभा बसवानपुर के टोला नगवा में इफको एमसी के द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें इफको एमसी के क्षेत्रीय अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि इफको एमसी की दवा खरीदने के साथ साथ किसानों को एक लाख तक दुर्घटना बीमा इफको एमसी देगी। इन्होंने माइकोजेन के बारें में बताते हुए कहा कि इसको अपने फसल में डालने से आपकी फसल में पैदावार और कल्लेदार होंगे।

अगर आपके मिट्टी में यूरिया डीएपी पड़ा भी है तो इसको भरपूर पौधों को देने में काम करेगा। इसके साथ इन्होंने खेती किस तरीका से किया जायें एवं मिट्टी बचाओ अभियान के तहत कम उर्वरक खेत में डालने का भी सलाह दिया।

एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप के प्रोपराइटर अनन्त कुमार मिश्र ने किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी दी। इन्होंने कहा कि सभी किसान फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य कराए और खाद लेने अगर जा रहे है तो फॉर्मर रजिस्ट्री लेकर जाए।इसके साथ कृषि गोदाम से बीज लेने के लिए ऑनलाइन बुकिंग करना होगा, तभी जाकर कृषि बीज गोदाम से बीज ले सकते है। उसके साथ जितने भी सरकारी योजना है कि कृषि द्वारा फॉर्मर रजिस्ट्री से आसानी से लाभ उठा सकते है। किसान गोष्ठी के दौरान प्रधान वसीम, अखिलेश यादव, संजय कुमार, अर्जुन आदि लोग मौजूद रहे।

क्या घमहापुर जैसी घटना फिर दोहराई जाएगी ?' कुआर बाजार प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। फूलपुर थाना क्षेत्र के कुआर बाजार में मारपीट और बाद में दर्ज हुए एससी/एसटी एक्ट के मुकदमे को लेकर नया विवाद सामने आया है। घायल पक्ष ने छह जुलाई सोमवार को प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की इस दौरान उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते निष्पक्ष कार्यवाही नहीं हुई तो क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। पीड़ित पक्ष के अनुसार रजनीश कुमार सिंह के पुत्र शांतनु सिंह कुआर बाजार स्थित एक दुकान पर मुर्गी का मीट खरीदने पहुंचे थे। आरोप है कि दुकानदारों ने 280 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मीट देने की बात कही। शांतनु ने तीन किलो मीट लेने की बात कही और 900 रुपए का ऑनलाइन भुगतान किया। बाद में दुकानदारों ने कथित रूप से पांच किलो मुर्गा काटने का दावा करते हुए 1000 रुपए की मांग की जिसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

बताया गया कि सूचना मिलने पर रजनीश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और मामला शांत कराया। अगले दिन सुबह जब रजनीश कुमार सिंह चाय पीने के लिए बाजार गए तो आरोप है कि मनीष

सोनकर,विनोद सोनकर,मनोज सोनकर और अल्ला ने लाठी-डंडे,रॉड और हॉकी से उन पर हमला कर दिया जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। सूचना पर कठौता चौकी प्रभारी जे.के.वर्मा पुलिस बल के साथ पहुंचे और घायल को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों के समर्थक भी आमने-सामने आ गए जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के दो दिन बाद विपक्षी पक्ष ने अपनी दुकान में हुई कथित तोड़फोड़ का वीडियो दिखाकर प्रशासन को गुमराह किया और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि मीडिया के माध्यम से लगातार यह कहा जा रहा है कि रजनीश कुमार सिंह के पिता महेंद्र प्रताप सिंह मुकदमा वापस लेने की धमकी दे रहे हैं।

पीड़ित पक्ष ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि महेंद्र प्रताप सिंह पिछले करीब डेढ़ माह से पैर टूटने के कारण बेड रेस्ट पर हैं और चलने-फिरने की स्थिति में नहीं हैं। उनका कहना है कि ऐसे में उनके द्वारा दुकान पर जाकर किसी को धमकी देने का आरोप तथ्यों से परे है उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास मौजूद राइफल वैध लाइसेंसी है। रजनीश कुमार सिंह ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर सत्य के आधार पर कार्यवाही की मांग की है।इस दौरान अधिवक्ता शैलेंद्र प्रताप सिंह,विवेक सिंह,गौरव सिंह,आलोक तिवारी, विक्रांत सिंह (राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा) तथा शेर बहादुर सिंह (जिलाध्यक्ष,अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा) सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आंगन में आराम कर रही महिला पर बंदरों के झुंड का हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव ब्रह्मखेड़ा में घर के आंगन में आराम कर रही एक महिला पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने किसी तरह महिला को बंदरों के चंगुल से छुड़ाया और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के साथ एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद महिला को घर भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव ब्रह्मखेड़ा निवासी संजीदा सोमवार को घरेलू कार्य निपटाने के बाद अपने घर के आंगन में आराम कर रही थीं। इसी दौरान बंदरों का एक झुंड अचानक आंगन में घुस आया और उह पर हमला कर दिया। महिला के सिर और हाथों पर कई जगह काटने से वह घायल हो गई। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बंदरों को भगाकर उन्हें बचाया। परिजन घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई और छुट्टी दे दी। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन बंदरों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से बंदरों को पकड़वाने तथा क्षेत्र को बंदरों के आतंक से मुक्त कराने की मांग की है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी,युवा मोर्चा द्वारा छात्र सम्मेलन का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल चौकाघाट पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी,युवा मोर्चा द्वारा छह जुलाई सोमवार को छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज हम भारतीय जनसंघ के संस्थापक,प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और अखंड भारत के महान शिल्पी डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के पावन अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कार्यक्रम में आए हुए सभी छात्र एवं छात्राओं से आह्वान किया कि वे डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद,संगठन,सेवा और समर्पण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें तथा विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने काशी से अपने पुराने पारिवारिक जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि काशी केवल हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक नहीं है बल्कि यदि पूरे भारत को समझना है तो काशी को समझना होगा। काशी की ऊर्जा ही इस देश की वास्तविक ऊर्जा है। सम्मेलन में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा 'आप सभी केवल एक संगठन के कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि आप वे राष्ट्रभक्त हैं जिनके भाव में 'राष्ट्र प्रथम' की जिम्मेदारी है आपके भीतर सेवा,संगठन, घोर अनुशासन और भविष्य में देश का नेतृत्व करने की अद्भुत भावना है' उन्होंने कार्यकताओं से हर आयोजन में उच्च स्तर का अनुशासन बनाए रखने का भी विशेष आग्रह किया।

महान शिक्षाविद् और प्रखर राष्ट्रवादी डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती 6 जुलाई के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि एक अत्यंत संपन्न और प्रतिष्ठित परिवार में जन्म लेने के बावजूद,डॉ. मुखर्जी के भीतर बाल्यकाल से ही राष्ट्र सेवा और समर्पण की भावना कूट-कूट कर भरी थी।अंग्रेजियत के उस दौर में भी डॉ.मुखर्जी ने भारतीय भाषाओं की महत्ता को समझा और कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति रहते हुए पाश्चात्य प्रतीक चिन्हों को बदलकर 'खिलता हुआ कमल' और मांगलिक शब्द 'श्री' अंकित करवाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 डॉ.मुखर्जी के ही सपनों का यथार्थ है जिसमें कक्षा पांचवीं तक मातृभाषा में शिक्षा और उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं को मुख्यधारा में लाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। नीरज सिंह ने डॉ.मुखर्जी के राजनीतिक और राष्ट्रीय योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि यदि 5 अप्रैल 1947 को हुगली में डॉ.मुखर्जी ने 1 लाख स्वयंसेवियों को एकजुट कर पश्चिम बंगाल के गठन की मांग बुलंद न की होती तो आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा न होता। उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर आए शरणार्थियों के हक के लिए नेहरू-लियाकत समझौते (1950) का कड़ा विरोध किया और केंद्रीय उद्योग मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। कश्मीर आंदोलन में डॉ.मुखर्जी के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि 'एक देश में दो विधान,दो प्रधान और दो निशान' के खिलाफ आंदोलन करते हुए उन्हें षड्यंत्र के तहत गिरफ्तार किया गया और जेल में रहते हुए रहस्यमयी परिस्थितियों में उनका बलिदान हो गया। उनके इस बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की दीवार को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया गया जो डॉ.मुखर्जी को देश की सच्ची श्रद्धांजलि है। भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के उदय की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता के सुख को छोड़कर हमेशा संघर्ष और 'राष्ट्र प्रथम' के मार्ग को चुनने के कारण ही,कभी 'हम दो हमारे दो' कहकर उपहास उड़ाई जाने वाली पार्टी आज 350 से अधिक सांसदों, 1600 से अधिक विधायकों और 13 करोड़ से अधिक कार्यकताओं के साथ विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। संबोधन के अंत में नीरज सिंह ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि इस वैभव पर भी हमारा संघर्ष तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुरक्षा, सम्मान,भोजन और रोजगार न पहुँच जाए और मां भारती विश्व पटल पर परम वैभव को प्राप्त न कर लें। कार्यक्रम का संचालन महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष रजत जायसवाल एवं धन्यवाद प्रकाश जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अमन सोनकर ने किया। मंचासीन प्रमुख लोगों में महापौर अशोक तिवारी,विधायक सौरभ श्रीवास्तव,धर्मेंद्र सिंह, टी.राम,जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या,क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया,जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल रहे।

कार्यक्रम संयोजक आत्मा विश्वेश्वर एवं संजय सोनकर रहे। कार्यक्रम के दौरान अन्य प्रमुख लोगों में विनोद गुप्ता, चंद्रशेखर उपाध्याय,सुजीत कुमार सिंह टीका,रणंजय सिंह, अमित राय,अखिलेंद्र सिंह सनी,अजय गुप्ता,प्रमील पाण्डेय,अवनीश पाण्डेय,अमित श्रीवास्तव,कुशाग्र श्रीवास्तव,ओम तिवारी,सुयश अग्रवाल,योगेश वर्मा,प्रमोद यादव मुन्ना,शैलेंद्र सिंह,पंकज चतुर्वेदी,वैभव उपाध्याय, विनय सिंह,सुमित मिश्रा,अमित चौरसिया सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में करणी सेना का हुंकार,राम मंदिर दान मामले, काशी विश्वनाथ व्यवस्था और बिजली कटौती पर जताया आक्रोश

करणी सेना ने प्रशासन को दी आंदोलन की चेतावनी, आस्था और जनहित के मुद्दों पर उठाई बुलंद आवाज

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। करणी सेना वाराणसी के पदाधिकारियों द्वारा मीरापुर बसहीं स्थित चन्द्र वाटिका लॉन परिसर में किया गया आवश्यक बैठक जिसमें संगठन ने शहर से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर गहरा रोष व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वाराणसी मंगलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर प्रताप सिंह प्रदेश संगठन महामंत्री उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। बैठक में करणी सेना के पदाधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की कार्य प्रणाली पर कड़े सवाल उठाए।

राम मंदिर दान चोरी पर आक्रोश

अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान की गई राशि और सामग्रियों में कथित अनियमितताओं व चोरी की घटनाओं पर करणी सेना ने गहरी चिंता व्यक्त की। संगठन ने इसे आस्था के साथ खिलवाड़ बताते हुए मांग की है कि इस मामले की उच्च- स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिले।

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थानीय दर्शनार्थियों की उपेक्षा

वाराणसी के स्थानीय नागरिकों ने शिकायत की है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के दौरान उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। करणी सेना ने प्रशासन से मांग की है कि काशी के मूल निवासियों और बुजुर्गों के लिए सुगम दर्शन की अलग व्यवस्था की जाए,ताकि उन्हें अपनी ही नगरी में दर्शन के लिए घंटों कतारों में न खड़ा होना पड़े।

अघोषित बिजली कटौती

भीषण गर्मी और उमस के बीच शहर में जारी अघोषित बिजली कटौती ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

संगठन ने बिजली विभाग को चेतावनी दी है कि यदि अविलंब निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो करणी सेना सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

चेतावनी

करणी सेना वाराणसी ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन ने इन विषयों पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया और समस्याओं का समाधान नहीं निकाला तो संगठन चुप नहीं बैठेगा। जनहित और आस्था के इन मुद्दों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बैठक में वीर प्रताप सिंह प्रदेश संगठन महामंत्री उत्तर प्रदेश,मंगलेश त्रिपाठी जिलाध्यक्ष,राहुल त्रिपाठी जिला संगठन महामंत्री वाराणसी,नवीन सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पूजा सिंह (नीलू) मीडिया प्रभारी,अंकित मिश्रा महामंत्री, शुभम सिंह (सीनू) अध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ,शुभम यादव मंत्री,सोनम सिंह और तनुजा सिंह मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर नगर प्रशासन सख्त, अतिक्रमण हटाओ अभियान में 15,200 रुपये का जुमार्ना

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। आगामी कांवड़ यात्रा को निर्बाध, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जहांगीराबाद नगर पालिका परिषद ने कमर कस ली है। सोमवार को नगर पालिका की टीम ने शहर के मुख्य मार्गों और व्यस्त बाजारों में एक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान सरकारी नियमों की अनदेखी कर सड़क और नालों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। बता दें कि सोमवार को नगर पालिका का यह सघन अभियान मुख्य रूप से आहार बाईपास चौराहे से लेकर बुध की पैठ तक संचालित किया गया। इस दौरान सड़क के किनारे किए गए अवैध कब्जों और अस्थायी ठेलों को हटा दिया गया, जिससे आवागमन सुगम हो सके। नगरपालिका प्रशासन की इस कार्रवाई के तहत कुल 15 लोगों पर जुमार्ना कुल 15,200 रुपयों का लगाया गया। इसके अतिरिक्त,

अतिक्रमण में प्रयुक्त हो रही चार ट्रॉली सामान को भी मौके पर ही जब्त कर लिया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान किसी भी प्रकार के विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अधिकारियों की मुस्तैदी और पुलिस की मौजूदगी के चलते पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व कर रहे सफाई निरीक्षक रोहित सिंह ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि जिलाधिकारी के निदेशों का उल्लंघन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा: 'कांवड़ यात्रा के दौरान मार्गों, चौराहों और नालों पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान केवल एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। दुकानदारों से अपील है कि वे अपनी सीमा के भीतर ही सामान रखें।

खंड शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति सूची जारी, बुलंदशहर के तीन बीईओ को नई जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) की पदोन्नति सूची जारी कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार जनपद बुलंदशहर में कार्यरत तीन खंड शिक्षा अधिकारियों को पदोन्नति एवं नवीन तैनाती प्रदान की गई है। विकासखंड स्याना में कार्यरत ललित मोहन पाल का स्थानांतरण आगरा जनपद में किया गया है। वहीं विकासखंड खुर्जा के सुनील कुमार डबराल को सहारनपुर जनपद में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा विकासखंड गुलावठी के प्रमोद कुमार शर्मा को प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग में पदोन्नति प्रदान करते हुए उप शिक्षा निदेशक कार्यालय, बिजनौर में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने तीनों अधिकारियों को पदोन्नति एवं नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

स्कूल बस ने छह वर्षीय मासूम छात्रा को कुचला, मौके पर ही मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहाँ स्कूल बस की चपेट में आने से यूकेजी की लगभग छह वर्षीय छात्रा दिव्यांशी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही और असंवेदनशील रवैये को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार माधोगढ़ निवासी अमित की 6 वर्षीय बेटी दिव्यांशी जाड़ौल स्थित स्कूल में यूकेजी की छात्रा थी। सोमवार सुबह वह हमेशा की तरह स्कूल बस से विद्यालय जा रही थी। कुदेना

जयरामपुर मढ़ैया के समीप स्कूल बस रुकने पर दिव्यांशी कुछ सामान लेने के लिए नीचे उतरी थी। आरोप है कि स्कूल बस में उस समय कोई परिचालक (कंडक्टर) मौजूद नहीं था।

इसी बीच स्कूल बस चालक ने बिना पीछे देखे लापरवाही से गाड़ी को बैक कर दिया, जिसकी चपेट में आकर दिव्यांशी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद स्कूल प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी न तो घटनास्थल पर पहुंचा और न ही अस्पताल में उनका दुख बांटने आया।

परिजनों के अनुसार, जब वे विद्यालय पहुंचे, तो वहां भी प्रबंधन का व्यवहार अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील था। ग्रामीणों ने स्कूल वाहनों में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाने और बिना परिचालक के बसें चलाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार मय पुलिस बल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। अस्पताल परिसर में उस समय माहौल गमगीन हो गया, जब कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने मासूम दिव्यांशी के शव को गोद में उठाकर पोस्टमार्टम के लिए वाहन तक पहुंचाया। एक मासूम बिटिया को यूं बेजान देखकर अस्पताल में मौजूद हर शख्स की आंखें छलक पड़ीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपनी ड्यूटी के दौरान सख्त रहने वाले कोतवाली प्रभारी भी मासूम को गोद में उठाते वक्त अपने आंसू नहीं रोक सके। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

बंदरों का आतंक एक वृद्ध को काटकर किया घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। गांव अहार में बस स्टैंड के पास एक मकान के गेट पर कुर्सी पर बैठे एक वृद्ध को बंदरों के झुंड ने सिर,बगल,कमर में काटकर घायल कर दिया। राहगीरों ने जैसे तैसे उन्हें बंदरों से बचाया। अहार निवासी रमेश शर्मा पुत्र खुशी राम उम्र करीब 65 वर्षीय सुबह करीब छः बजे घर के दरवाजे पर कुर्सी पर बैठे हुए थे ।तभी एक बंदरों का झुंड एक कमरे में बंद हो गया बंदर का बच्चा को निकालने की वजह से आया। क्रोधित झुंड ने वृद्ध पर हमला कर दिया ।उनकी रोने चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग हाथों में डंडा लेकर वृद्ध को बचाने के लिए दौड़ पड़े। लोगों की भीड़ पहुंचने पर बंदरों का झुंड खेतों की ओर भाग गया। घायल वृद्ध के पुत्र प्रमोद शर्मा ने बताया कि एक इंजेक्शन टैटनिस का निजी डाक्टर से लगवाया गया। उसके बाद उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहार ले गए। वहां से उन्हें

जहांगीराबाद सी एच सी एम्बुलेंस से भेजा गया। वहां अस्पताल में चिकित्सकों ने दो इंजेक्शन लगाए और उन्हें बुलंदशहर अस्पताल के लिए रवाना कर दिया। वहां अस्पताल में चिकित्सकों ने पांच इंजेक्शन सिर,कमर और बगल में लगाये। करीब चार घंटे बाद घायल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई ।उनकी स्थिति फिलहाल ठीक है। लोगों ने बताया इससे पहले भी बंदर छात्रों और महिलाओं पर हमला कर चुके हैं। इस बस स्टैंड के पास बंदरों का जमावड़ा दिनभर लगा रहता है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के पांचवे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला सहकारी बैंक शाखा में शिविर का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर/छतारी। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के पांचवे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम का आयोजन जिला सहकारी बैंक शाखा छतारी पर 6 जुलाई 2026 को हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस आयोजन के अवसर पर स्थानीय नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं एवं डिजिटल साक्षरता के बारे में नागरिकों को जागरूक करना व सहकारी बैंकों की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है।

पांचवे स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महिला अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सादिया अहमद के कर कमलों से शाखा प्रबन्धक मो० शहीम खान, सचिव सोहनपाल सिंह, अतिथि शाबीब हसनैन, अतिथि हरेन्द्र सिंह, अतिथि खुर्शीद अहमद व कैशियर ईश्वर दयाल व अन्य समस्त बैंक/समिति कर्मचारी व क्षेत्रीय सम्मानित नागरिकों की उपस्थिति में किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य अतिथि ने मंच के माध्यम से महिलाओं को स्वयं आत्म निर्भर एवं स्वयं को सशक्त बनाने का संदेश देते हुए खुद का व्यवसाय/प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि वक्ताओं ने अपने संबोधन में बचत करने व बैंक सेवाओं से जुड़े रहने का आह्वान किया। एवं सचिव सोहनपाल सिंह द्वारा ऋणी कृषकों को ऋण वसूली 365 दिन के भीतर जमा करने का संदेश दिया।

'शाखा प्रबन्धक मो० शहीम खान ने कृषकों को बैंक व सहकारिता से जुड़े रहने के लिए आश्वस्त किया कि सहकारिता समाज के अन्तिम छोर तक कृषकों को सहायता पहुँचाने के लिये प्रतिबद्ध है। सहकारी बैंक आमजन कृषक परिवारों को वित्तीय सहायता पहुँचाकर सपनों को निरन्तर साकार कर रही है।

बरहाना में नीरज चौधरी का जिला महामंत्री बनने पर किया गया भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। रविवार को क्षेत्र के गांव बरसाना में ईश्वर त्यागी के आवास पर नीरज चौधरी का भाजापा का जिला महामंत्री बनाये जाने पर फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया ।बरहाना वासियों ने नीरज चौधरी को अपनी समस्या बताते हुए कहा कि बुगरासी दौलतपुर मार्ग चौड़ीकरण का ज्वलंत मुददा उठाया,जिस पर नीरज चौधरी ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सरकार के सामने समस्या को रखकर शीघ्र समाधान किया जायेगा। इस मौके पर एडवोकेट खैमराज त्यागी जागेश त्यागी कांती त्यागी सतेन्द्र त्यागी डेविड त्यागी राकेश

त्यागी गौरव त्यागी सहित कई दर्जन ग्रामीण मौजूद रहे।

पतला में भाजपा के जनसंपर्क अभियान को मिला व्यापक समर्थन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत पतला में आयोजित भाजपा के जनसंपर्क अभियान एवं जनसभा में क्षेत्रवासियों का उत्साह और व्यापक जनसमर्थन देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर भाजपा नेताओं का स्वागत किया तथा क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों पर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जनसभा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजपाल सिंह एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का विश्वास और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे लोगों का सरकार के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हुआ है।

वक्ताओं ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लगातार जनसंपर्क अभियान के माध्यम से घर-घर पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और संगठन की नीतियों की जानकारी आमजन तक पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने कार्यकताओं से अधिक सक्रियता के साथ जनता के बीच रहने और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान कराने के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने कहा कि जनता का अपार स्नेह और समर्थन संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र के विकास, जनसेवा और सुशासन के संकल्प के साथ जनसंपर्क अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम में भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने अवैध कब्जों को हटाकर सड़क के निर्माण कराए जाने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील क्षेत्र के ग्राम सारा ग्रामीणों ने समाधान दिवस में शिकायत देकर सड़क निर्माण के दौरान सड़क किनारे किए गए कथित अवैध कब्जों को हटाकर सड़क के निर्माण कराए जाने की मांग की है।

निर्माण हटाए बिना ही नाली और सड़क बनाजा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पहले अतिक्रमण हटाया जाए, उसके बाद ही सड़क का निर्माण कराया जाए।

ग्राम सारा गोविंदपुरी के ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग को चौड़ा करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसी के आधार पर नगर पालिका परिषद मोदीनगर ने सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराया है। लेकिन आरोप है कि सड़क किनारे बने कुछ मकानों और क्वार्टरों के सामने किए गए कथित अवैध चबूतरे और अन्य निर्माण नहीं हटाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि अतिक्रमण हटाए बिना सड़क और नाली का निर्माण कर दिया गया तो सड़क पहले की तरह संकरी रह जाएगी, जिससे बड़े वाहनों के आवागमन में दिक्कत होगी और भविष्य में विवाद तथा झगड़ों की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र सौंपते हुए प्रशासन से अनुरोध किया है कि सड़क किनारे किए गए कथित अवैध निर्माण हटाने के बाद ही सड़क और नाली का निर्माण कराया जाए।

साथ ही जब तक अतिक्रमण नहीं हटाया जाता, तब तक निर्माण कार्य पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

लापता 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला का सुराग नहीं

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नेहरू कॉलोनी 75 वर्षीय महिला राजेश देवी,पत्नी रामकिशन शर्मा, बीती 3 जुलाई की दोपहर से लापता हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

परिजनों के अनुसार नेहरू कॉलोनी गली नंबर -1 निवासी 75 वर्षीय राजेश देवी बीती 3जुलाई से लापता है उनके पुत्र कमल शर्मा ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई,लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका है।

परिवार वालों का कहना है कि उन्होंने खुद सीसीटीवी कैमरों की जांच की,जिसमें राजेश देवी मोदीनगर बस अड्डे से गाजियाबाद की ओर जाने वाले टेंपो में बैठकर जाती हुई दिखाई दे रही हैं। इस बारे में पुलिस को सूचना भी दी गई लेकिन इस महत्वपूर्ण सुराग के बावजूद पुलिस की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। परिवार लगातार अपनी मां की तलाश में जुटा है और लोगों से अपील कर रहा है कि यदि किसी को राजेश देवी के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत स्थानीय पुलिस या उनके परिजनों को सूचित करें।

तहसील परिसर में किसानों की पंचायत, प्रशासन के सामने 9 सूत्रीय मांगें रखीं

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील परिसर में किसानों की पंचायत आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन के नेता प्रजपाल सिंह भोजपुर ने की। इस दौरान किसानों ने गन्ना भुगतान, जर्जर सड़कों, सिंचाई, बिजली और नालों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रशासन के सामने 9 सूत्रीय मांगें रखीं। किसानों ने मांगों का जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। तहसील परिसर में आयोजित पंचायत में किसानों ने कहा कि गन्ना किसानों का बकाया भुगतान जुलाई माह में हर हाल में कराया जाए। साथ ही भोजपुर नाले का पानी हापुड़ रोड क्रॉसिंग के जरिए पहले से बने गंदे नाले में डाले जाने की मांग की, ताकि जलभराव की समस्या खत्म हो सके।

पंचायत में अमखालागी से अमराला गांव तक की जर्जर सड़क, शिव मंदिर रजवाहे की सड़क और मोदीनगर से कलछीना मार्ग के निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। किसानों का कहना है कि खराब सड़कें आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं।

किसानों ने बिजली विभाग पर भी मनमानी का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बिना जानकारी के बिजली लोड बढ़ाया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं किरपाल के खेत के सामने स्थित सरकारी नलकूप पिछले दो महीने से बंद होने के कारण सिंचाई प्रभावित हो रही है। इसे तत्काल चालू कराने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा इसापुर से टोडी तक पीडब्ल्यूडी सड़क की मरम्मत, भोजपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्याओं के समाधान और अन्य स्थानीय मुद्दों को लेकर भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई। किसानों ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 80 शिकायतों में से सिर्फ 03 का निस्तारण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 80 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान 80 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।संपूर्ण समाधान दिवस पर किसानों की समस्याएं, राजस्व,जर्जर सड़क बिजली तथा पुलिस आदि विभागों से संबंधित जनसमस्याएं आई। अधिकारियों ने जन समस्याओं को शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर एसडीएम अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सहकारिता को मिलेगी नई रफ्तार: बी-पैक्स समितियों के विकास के लिए सीडीओ का एक्शन प्लान तैयार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सहकारिता सप्ताह-2026 के तहत सोमवार को विकास भवन सभागार में जिला विकास सहकारी समिति (डीसीडीसी) की बैठक मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनपद की बी-पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी) समितियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बी-पैक्स समितियों की भूमि को भू-राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने, शौचालय विहीन समितियों में ग्राम पंचायत के माध्यम से शौचालय निर्माण कराने तथा खाली पड़ी भूमि का उपयोग एफपीओ के जरिए आय बढ़ाने वाले व्यवसायों के लिए करने के निर्देश दिए। बैठक में जैविक खेती को बढ़ावा देने, जीवामृत योजना के तहत उत्पादों की बिक्री बढ़ाने, किसानों को जैविक कृषि के लिए प्रोत्साहित करने और समितियों में कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया। साथ ही बी-पैक्स समितियों में पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का सुझाव भी रखा गया। बैठक में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अमित कुमार त्यागी, जिला कृषि अधिकारी अमित कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला सहकारी बैंक के उपमहाप्रबंधक रगेश चंद्र तथा नाबार्ड की डीडीएम अलका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गौरव त्यागी के आम-भोज में जुटे रालोद नेता

युवा शक्ति और संगठन सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

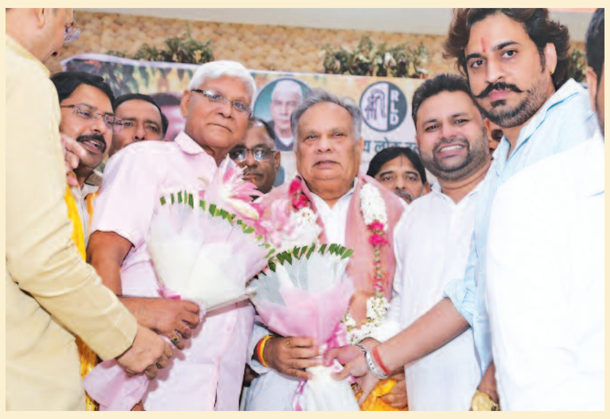

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के युवा राष्ट्रीय लोकदल के नवनियुक्त हस्तिनापुर क्षेत्रीय महासचिव गौरव त्यागी द्वारा बी.एस. रिसोर्ट, गाज़ियाबाद में आम-भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय संगठन महासचिव त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आगमन पर आयोजकों एवं कार्यकताओं ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत और सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि युवा शक्ति और मातृशक्ति का सशक्तीकरण, कौशल विकास तथा दृढ़ संकल्प ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा, जब कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद बनाए रखेंगे और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन में संगठन की मजबूती, सामाजिक एकजुटता और जनहित के मुद्दों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

गाजियाबाद में अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा, 48 घंटे के विशेष अभियान में 100 वारंटी दबोचे

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए 48 घंटे के विशेष अभियान में बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 गैर जमानती वारंटी (एनबीडब्ल्यू) और गंभीर मामलों में वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान 4 से 5 जुलाई तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों में चलाया गया।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में सभी थाना प्रभारियों के नेतृत्व में गठित टीमों ने वारंटियों और सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। इस दौरान न्यायालयों द्वारा जारी गैर जमानती वारंटों का प्रभावी तामील कराया गया और कई फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

अभियान के दौरान नगर जोन से 30, ट्रांस हिंडन जोन से 29 तथा ग्रामीण जोन से 41 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इस प्रकार कुल 100 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जो आरोपी अपने निवास स्थानों पर नहीं मिले हैं, उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कमिश्नरेट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों और फरार अभियुक्तों के खिलाफ ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि कानून-व्यवस्था मजबूत हो और आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे।

युवक पर जानलेवा हमला, लोहे की रॉड से पीटकर किया लहूलुहान, एक आरोपी हिरासत में

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद क्षेत्र में युवक पर हुए कथित जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर जांच तेज कर दी है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस आयुक्त से मिलकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 5 जुलाई की रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने युवक पर लोहे की रॉड, पाना और पंच से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष ने शिकायत में कुछ नामजद तथा दो अज्ञात व्यक्तियों पर हमले का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के वीडियो भी उपलब्ध हैं, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कठोर कानूनी कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

पुलिस के मुताबिक, मामले में मुकदमा संख्या 352/2026 दर्ज कर लिया गया है। कार्रवाई करते हुए गोविंदा उर्फ रविन्द्र को हिरासत में लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

रिश्तेदारी का भरोसा टूटा, 2.25 लाख की लूट की साजिश का 24 घंटे में खुलासा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना मसूरी पुलिस और ग्रामीण जोन की स्वाट टीम ने 2.25 लाख रुपये की लूट की घटना का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हैरान करने वाली बात यह रही कि लूट की पूरी साजिश पीड़ित के ही रिश्तेदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 1.67 लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई को रिजवान ने थाना मसूरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह यूपीएसआईडीसी स्थित फैक्ट्री से अपने पार्टनर दानिश से 2.25 लाख रुपये लेकर लौट रहा था। मसूरी अंडरपास के पास बाइक सवार बदमाशों ने उससे नकदी लूट ली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए नवेद, साहब और फुरकान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि नवेद शिकायतकर्ता रिजवान का रिश्तेदार है। रिजवान द्वारा नकदी ले जाने की जानकारी मिलने के बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के बाद नवेद ने खुद पर शक न जाए, इसके लिए खुद को भी पीड़ित दिखाने की कोशिश की और झूठी कहानी गढ़ दी। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों और गहन जांच के चलते उसकी पूरी साजिश बेनकाब हो गई।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से लूटी गई अधिकांश रकम बरामद कर ली गई है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

ईख के खेत में मिले शव की पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई गुत्थी, आरोपी हिरासत में

मृतक

पीड़ित परिवार

आरोपी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना निवाड़ी क्षेत्र के ग्राम पूठरी में 21 वर्षीय तरुण उर्फ नमित की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में गांव के ही निरांचल उर्फ मंत्री को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त दरांती और मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, तरुण रविवार शाम करीब पांच बजे घर से घूमने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। सोमवार सुबह उसका शव पूठरी के जंगल स्थित ईख के खेत में मिला। सूचना मिलते ही थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू की। मृतक के पिता निर्दोष कुमार की तहरीर पर थाना निवाड़ी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच करते हुए आरोपी निरांचल उर्फ मंत्री को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दरांती और मृतक का मोबाइल बरामद कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सफाई नहीं तो आंदोलन तय: तुलसी निकेतन में जीडीए और नगर निगम के खिलाफ फूटा जनाक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। तुलसी निकेतन में बदहाल सफाई व्यवस्था और नालों से निकाली गई सिल्ट नहीं उठाए जाने से स्थानीय लोगों का आक्रोश रविवार को खुलकर सामने आया। आरडब्ल्यूए के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने मुख्य नाले के पास प्रदर्शन कर जीडीए और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की तथा जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष कुलदीप कसाना की अध्यक्षता में आयोजित मासिक बैठक में पदाधिकारियों ने बताया कि करीब 10 दिन पहले वजीराबाद रोड स्थित मुख्य नाले की सफाई कराई गई थी, लेकिन निकाली गई सिल्ट अब तक नहीं हटाई गई। बरसात और तेज हवा के कारण सिल्ट दोबारा नालों में पहुंच गई, जिससे जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लोगों को आवागमन में भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

महासचिव बलवंत रावत ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले दो कार्य दिवस के भीतर नालों की सफाई, सिल्ट हटाने और जलनिकासी के लिए 40 एचपी पंप पर जनरेटर की व्यवस्था नहीं की गई तो जीडीए के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में पवन बब्बर, राहुल गौतम, बलवंत बिष्ट, सुभाष बॉबी, मोहन सिंह बिष्ट, अनीश सक्सेना, राजेंद्र कुमार, मनोज कुमार, डॉ. मोहम्मद हसानी, धर्मेंद्र, डॉ. जोशी, संजीव कुमार, आनंद कुमार सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर प्रतिमा की साफ-सफाई, विधायक संजीव शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रविवार को कवि नगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा, शहर विधानसभा के पाँचों मंडल अध्यक्षों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत कार्यकताओं ने प्रतिमा की साफ-सफाई भी की। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रहित, अखंड भारत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका त्याग, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट संकल्प प्रत्येक नागरिक को जनसेवा और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर भाजपा के मंडल अध्यक्षों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

सीडीओ ने राजकीय पौधशाला व मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का किया निरीक्षण

उत्पादन बढ़ाने और हार्डनिंग चैम्बर शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) गाजियाबाद ने सोमवार को कविनगर स्थित राजकीय पौधशाला एवं जिला औद्यानिक मिशन योजना के अंतर्गत स्थापित मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती अनीता सिंह भी उपस्थित रहीं।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने पौधशाला में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। पौधशाला में हरित वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए आम, अनार, अमरूद, कनेर, सहजन, बेलपत्र सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार पाए गए। उन्होंने पौधों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए।

इसके बाद सीडीओ ने मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निरीक्षण किया। सीडलिंग चैम्बर में कृषकों द्वारा तैयार कराए गए लाल शिमला मिर्च, पीली शिमला मिर्च, टमाटर, ब्रोकली एवं तुलसी के पौधों का अवलोकन किया। उन्होंने पौधों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए हार्डनिंग चैम्बर का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने पौधशाला में कलमी पौधों, मौसमी पौधों एवं औषधीय पौधों के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही परिसर की नियमित साफ-सफाई और बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पौधशाला को किसानों और आमजन के लिए उपयोगी एवं मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित किया जाए, जिससे गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

डीसीपी धवल जायसवाल का पुलिस लाइन्स में औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में लापरवाही पर सख्त रहने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस उपायुक्त नगर/लाइन्स श्री धवल जायसवाल ने पुलिस लाइन्स का औचक निरीक्षण कर परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, अनुशासन, अभिलेखों के रखरखाव एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिसर में स्वच्छता, अनुशासन और कार्यालयी कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी कार्यों के प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन के निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर कार्यप्रणाली और सुव्यवस्थित व्यवस्था पुलिस की कार्यक्षमता को और मजबूत बनाती है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के लिए भी प्रेरित किया गया।